सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 306, नई दिल्ली,बुधवार, 29, नवंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

अपनी शरीर की उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से कहीं ज्यादा बेहतर है कि, इसका इस्तेमाल समाधान ढूंढने में किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

नेशनल हाईवे-505 पर गिरीं चट्टानें, वाहनों की आवाजाही ठप, काजा और स्पीति का संपर्क कटा

रामपुर बुशहर । किन्नौर के पूह खंड के मलिंग से आगे चार किलोमीटर समदु की ओर पहाड़ी से बड़ी-बड़ी चट्टानें गिरने से नेशनल हाईवे-505 यातायात के लिए ठप हो गया है। हिमाचल प्रदेश के जिला किन्नौर के पूह खंड के मलिंग से आगे चार किलोमीटर समदु की ओर पहाड़ी से बड़ी-बड़ी चट्टानें गिरने से नेशनल हाईवे-505 यातायात के लिए ठप हो गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब 9:15 बजे राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर बड़ी-बड़ी चट्टानें आ गईं। गनीमत यह रही कि कोई गाड़ी इसकी चपेट में नहीं आई। हाईवे बंद होने से चांगो, सुमरा और शलखर सहित काजा और स्पीति घाटी का किन्नौर से संपर्क कट गया है। हजारों लोगों को आवाजाही करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, सीमा सड़क संगठन यातायात बहाल करने में जुटा हुआ है। उधर, ओसी सीमा सड़क संगठन समदु राज कुमार प्रकाश ने बताया कि तीन मशीनें और 20 मजदूर यातायात बहाल करने में जुटे हुए हैं। जल्द ही बाधित मार्ग यातायात के लिए बहाल कर दिया जाएगा।

आने से पहले ही खत्म कर दिया जाएगा नया वायरस, विशेष टीम रखेगी नजर

नेरचौक (मंडी)
कोरोना से सबक लेने के बाद अब देश में नए वायरस को आने से पहले ही खत्म कर दिया जाएगा। इसके लिए श्री लाल बहादुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मंडी स्थित नेरचौक को भी सौंपी गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने प्रदेश के इस संस्थान को देशभर के दस मेडिकल कॉलेजों में शामिल किया है, जो इस प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। यह संस्थान नए वायरस के लक्षण दिखते ही उसे खत्म करने पर काम करेंगे। कोरोना जैसा नया वायरस फिर दस्तक न दे, इसके लिए यहां पर न्यू इन्फेक्शन वायरस पर रिसर्च की जाएगी। इस दौरान मेडिकल कॉलेज में जितने भी मरीज आएंगे, उन पर एक टीम अलग से जांच रखेगी। नया वायरस आने से पहले ही उसके ऊपर कार्य करना शुरु कर दिया जाएगा, ताकि उसे खत्म किया जा सके।
इसके अलावा केरल, कर्नाटक, मिजोरम, मणिपुर, असम, झारखंड, बिहार, उड़ीसा, गुजरात के मेडिकल कॉलेजों में भी यह रिसर्च की जाएगी। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) इस कार्य के लिए मेडिकल कॉलेज को 16 लाख प्रति वर्ष देगी। यह कार्य तीन वर्षों तक पहले दौर में चलेगा।

विकास भवन-बेस सड़क पर डामरीकरण न होने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा
अल्मोड़ा। विकास भवन से बेस अस्पताल तक की 12 किमी लंबी सड़क में 13 साल बाद भी सोलिंग और डामरीकरण न होने से नाराज लोगों का पारा चढ़ गया। गरगूंठ सड़क निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले एकजुट ग्रामीणों ने सोमवार को गरगूंठ में प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2012 में सड़क का कटान हुआ लेकिन लंबे समय बाद भी इसमें सोलिंग और डामरीकरण नहीं हो सका। इससे गरगूंठ, पहल, पौधार, तलाड बाड़ी, खत्याडी समेत 10 से गांवों की 10 हजार से अधिक की आबादी को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रशासन ने सड़क पर सोलिंग और डामरीकरण के लिए एस्टीमेट सरकार को भेजने का आश्वासन दिया था।

भारत में ई-बस की बिक्री FY25 तक 11-13 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, ICRA की रिपोर्ट में दावा...

> पीटीआई के अनुसार, पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में परिचालन लागत में काफी बचत को ध्यान में रखते हुए, क्क्रफ्ब को ई-बसों की मांग में निरंतर बढ़ोतरी का अनुमान है।

> आईसीआरए के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में ई-बस सेगमेंट में बढ़ोतरी स्पष्ट है। वित्त वर्ष 2023 में ई-बस की मात्रा और प्रवेश स्तर लगातार बढ़कर 7 प्रतिशत हो गया है।

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025 तक नई बस बिक्री में इलेक्ट्रिक बसें 13 प्रतिशत तक प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। जैसा कि 17 नवंबर को आईसीआरए की एक रिपोर्ट में कहा गया है। आईसीआरए (ICRA) ने देखा कि विभिन्न राज्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीतियों ने ई-बसें, विद्युतीकरण के लिए एक स्पष्ट रोडमैप स्थापित करना को अपनाने के लिए विशिष्ट लक्ष्य और समयसीमा की रूपरेखा तैयार की है। पीटीआई के अनुसार, पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में परिचालन लागत में काफी बचत को ध्यान में रखते हुए, ICRA को ई-बसों की मांग में निरंतर बढ़ोतरी का अनुमान है। बता दें कि ICRA एक स्वतंत्र भारतीय रेटिंग एजेंसी है। एक रिपोर्ट में, ICRA ने इलेक्ट्रिक बसों (ई-बसों) को भारत की विद्युतीकरण पहल में एक प्रेरक शक्ति के रूप में स्थान दिया है। इस सेगमेंट के लिए एक मजबूत ट्रेजेक्ट्री (प्रक्षेपवक्र) का अनुमान लगाया है। और अनुमान लगाया है कि वित्तीय वर्ष 2025 तक ई-बसें नई बस बिक्री का 11-13 प्रतिशत हिस्सा होंगी। रिपोर्ट ई-बसों से जुड़ी पूंजीगत लागत में और कमी लाने में योगदान देने वाली सरकारी सब्सिडी और एडवांसिंग टेक्नोलॉजी की अपेक्षाओं पर रोशनी डालती है। आईसीआरए के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में ई-बस सेगमेंट में बढ़ोतरी स्पष्ट है। वित्त वर्ष 2023 में ई-बस की मात्रा और प्रवेश स्तर लगातार बढ़कर 7 प्रतिशत हो गया है।

फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (FAME) योजना के तहत ई-बस परिनियोजन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में प्रगति लगातार बनी हुई है। मार्च 2024 में योजना खत्म होने तक रफ्तार बढ़ने की उम्मीद है। आईसीआरए का कहना है कि सरकार ने कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) (उएरछ) द्वारा जारी निविदाओं के तहत बोली एकत्रीकरण के जरिए ई-बस अपनाने को बढ़ावा देने की मांग की है। प्रारंभिक निविदाओं में सफल ओईएम भागीदारी के बावजूद, सीईएसएल की तीसरी निविदा को भुगतान सुरक्षा तंत्र की अनुपस्थिति और प्रस्तावित ड्राई लीज मॉडल के बारे में चिंताओं के कारण सीमित भागीदारी का सामना करना पड़ा। ई-बस अपनाने की बढ़ती रफ्तार को बनाए रखने के लिए इन चिंताओं को दूर करना महत्वपूर्ण माना जाता है।

सरकार द्वारा पीएम ई-बस सेवा योजना की हालिया घोषणा, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 169 शहरों में 10,000 ई-बसें प्रदान करने का लक्ष्य है। जैसा कि ऋअटए क्क्र योजना मार्च 2024 में खत्म हो रही है। ICRA के अनुसार, उएरछ के जरिए या पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत मांग एकत्रीकरण से ई-बस की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि सब्सिडी धीरे-धीरे खत्म हो रही है।

आईसीआरए ने इस बात पर जोर दिया कि विद्युतीकरण प्रयासों में मौजूदा रफ्तार को बनाए रखने के लिए भुगतान सुरक्षा तंत्र के कार्यान्वयन और दीर्घकालिक वित्तपोषण मार्गों की उपलब्धता के संबंध में ओईएम की चिंताओं को संबोधित करना जरूरी है।

डंपर से टकराई रोडवेज बस, सकुशल बचे यात्री

> टक्कर लगने के बाद डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया और डिवाइडर पर लगे बिजली का खंबा टूट गया।

ऊधम सिंह नगर

रुद्रपुर। नेशनल हाईवे में जा रहे डंपर के आगे अचानक एक पशु आने से चालक ने ब्रेक लगा दिया। इसके चलते पीछे आ रही यात्रियों से भरी रोडवेज बस डंपर के पीछे टकरा गई। टक्कर लगने के बाद डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। गनीमत रही कि यात्रियों को कोई चोट नहीं आई और दूसरी बस से यात्रियों को गंतव्य पर भेजा गया।

सोमवार को हल्द्वानी डिपो की बस संख्या यूके07पीए 4188 42 यात्रियों को लेकर दिल्ली रवाना हुई थी। रामपुर जिले में जाम की सूचना पर चालक बस को काशीपुर के रास्ते ले जा रहा था। बस के आगे डंपर चल रहा था। इसी बीच डंपर के आगे एक पशु आ गया और चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। अचानक डंपर रुका तो बस ने डंपर के पीछे टक्कर मार दी।

टक्कर लगने के बाद डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया और डिवाइडर पर लगे बिजली का खंबा टूट गया। इस दौरान बस में बैठे यात्रियों में दहशत मच गई और दहशत के मारे यात्री बस से उतर गए। हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ ही शीशा भी टूट गया। बस चालक ने घटना की सूचना निगम प्रबंधन को दी। इसके बाद दूसरी बस भेजकर यात्रियों को दिल्ली भेजा गया। हादसे में बस में बैठे किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची है।

सुरंग में पाइप से मजदूरों तक खाना पहुंचाने में लगता था इतना समय, दिया गया ये आहार

देहरादून

अंदर फंसे मजदूरों तक पाइप से खाना पहुंचाने में दो घंटे का समय लगता था। इसके लिए दाल और खिचड़ी जैसे खाद्य पदार्थ बोतल में भरकर और फिर रस्सी से बांधकर भेजे जाते थे। सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों ने नाश्ते में उपमा तथा लंच में दाल-भात भेजा गया। एक विशेष टीम ने उन तक यह सब पहुंचाया। यह टीम सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के साथ ही बचाव कार्य में लगे लोगों के भी खाने-पीने का भी ध्यान रखती थी। इस सात सदस्यीय टीम के लीडर रत्नाकर दास ने बताया कि पूर्व में 4 इंच के पाइप से हर 45 मिनट में अंदर फंसे मजदूरों को मुरमुरे, भूने चने, भीगे चने, बादाम, काजू, किशमिश और पॉपकार्न व मूंगफली दी जाती थी। जिसे वह स्टोर करके खाया करते थे। नाश्ता और खाना पहुंचाने में दिन रात जुटे श्रमिक

अब छह इंच का पाइप पहुंचने के बाद से मजदूरों को पका हुआ भोजन दिया गया। उनकी टीम मजदूरों और बचाव कार्य में लगी टीम के सुबह के नाश्ते, दिन व रात के खाने को पहुंचाने में दिन-रात जुटी रहती थी।

रत्नाकार ने बताया कि उन्होंने यह काम अपनी स्वेच्छा से चुना। ताकि वह अंदर अपने साथियों की देखभाल कर सकें। बताया कि इस काम के चलते पिछले कुछ दिनों में वह केवल दो से तीन घंटे ही सो पा रहे हैं। टीम में उपेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, महेश, कुक लालू, रवि व दिनेश शामिल हैं।

खाना पहुंचाने में लगता था दो घंटे का समय

रत्नाकर दास ने बताया कि अंदर फंसे मजदूरों तक पाइप से खाना पहुंचाने में दो घंटे का समय लगता था। सके लिए दाल और खिचड़ी जैसे खाद्य पदार्थ बोतल में भरकर और फिर रस्सी से बांधकर भेजे जाते थे।

स्वर्ण मंदिर और अटारी बॉर्डर के लिए अगले साल से शुरू होगी वोल्वो बस सेवा

> हिमाचल से स्वर्ण मंदिर और अटारी बार्डर के लिए अब तक कोई लग्जरी बस सेवा नहीं है। ऐसे में इस रूट पर वोल्वो बस चलने से निगम को अच्छी कमाई की उम्मीद है।

शिमला

बाहरी राज्यों से हिमाचल आने वाले सैलानी स्वर्ण मंदिर और अटारी बार्डर घूमने जरूर जाते हैं। हिमाचल से स्वर्ण मंदिर और अटारी बार्डर के लिए अब तक कोई लग्जरी बस सेवा नहीं है। अब पंजाब के अमृतर स्थित स्वर्ण मंदिर और अटारी बॉर्डर के लिए भी हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की वोल्वो सेवा शुरू होगी। धार्मिक पर्यटन सर्किट बस सेवा के तहत एचआरटीसी इस रूट पर वोल्वो बस चलाएगा। अगले साल से इस रूट पर यह बस सेवा शुरू करने की योजना है।

बाहरी राज्यों से हिमाचल आने वाले सैलानी स्वर्ण मंदिर और अटारी बार्डर घूमने जरूर जाते हैं। हिमाचल से स्वर्ण मंदिर और अटारी बार्डर के लिए अब तक कोई लग्जरी बस सेवा नहीं है। ऐसे में इस रूट पर वोल्वो बस चलने से निगम को अच्छी कमाई की उम्मीद है। हाल ही में धार्मिक पर्यटन सर्किट बस सेवा के तहत एचआरटीसी ने चिंतपूर्णी-ज्वालाजी, खाटू श्याम और भंगायणी माता मंदिर हरिपुरधार के लिए बस सेवा शुरू कर दी है। योजना के तहत प्रदेश के भीतर और बाहर 100 धार्मिक स्थलों का चयन किया जाना है। इसी कड़ी में ये बस सेवा शुरू की जा रही है।

धार्मिक पर्यटन सर्किट बस सेवा योजना के तहत स्वर्ण मंदिर और अटारी बार्डर के लिए वोल्वो सेवा शुरू की जाएगी। ज्वालाजी-चिंतपूर्णी और खाटूश्याम के लिए चल रही धार्मिक पर्यटन सर्किट बस सेवा को अच्छे रिस्पांस के बाद अन्य धार्मिक स्थलों को भी योजना से जोड़ा जा रहा है।- मुकेश अग्निहोत्री, उप मुख्यमंत्री

दिल्ली और अमृतसर एयरपोर्ट के लिए भी वोल्वो

एचआरटीसी दिल्ली और अमृतसर एयरपोर्ट के लिए भी सीधी वोल्वो सेवा शुरू करने की योजना बना रहा है।

शिमला-चंडीगढ़ एयरपोर्ट वोल्वो के सफल संचालन के बाद इसे लेकर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। टूरिस्ट सीजन के दौरान बड़ी संख्या में सैलानी दिल्ली, अमृतसर, शिमला, मनाली, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के बीच आवाजाही करते हैं। वोल्वो सेवा शुरू होने से इन्हें लाभ होगा। शिमला से श्रीनगर के लिए भी वोल्वो संचालन की योजना है।

पाइप के जरिए एस्केप टनल से ऐसे बाहर निकाले जाएंगे श्रमिक, तस्वीरों में देखें कैसी है तैयारी

उत्तरकाशी

जैसे-जैसे टनल के मलबे में बचाव का पाइप 13 दिन से सुरंग में कैद मजदूरों के करीब जा रहा है, वैसे ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम भी मुस्तैद हो गई है। एनडीआरएफ ने पाइप के भीतर से मजदूरों को निकालने के लिए तैयार है।

टीम ने 800 मिमी पाइप के भीतर से मजदूरों को निकालने के लिए गोलाकार स्ट्रेचर बनाया है। शुक्रवार को पाइप के भीतर इसे डालकर उन्होंने मजदूरों को बाहर निकालने की मॉक ड्रिल की। मजदूरों को वहां से

निकालने के बाद जरूर पड़ी तो स्ट्रेचर भी तैयार है। इन स्ट्रेचर के माध्यम से एसडीआरएफ की टीम भी उन्हें तेजी से एंबुलेंस या पास में बने हुए अस्थायी अस्पताल तक पहुंचा देगी। फिलहाल सभी को इंतजार है कि कितने समय में मजदूरों तक पाइप पहुंचता है।

उधर, आज सुरंग से बाहर आए कर्मचारियों ने बताया कि भीतर वेल्डिंग के धुएं की महक मजदूरों तक पहुंची हैं। उन्होंने वॉकी-टॉकी पर भीतर से ये जानकारी दी है। इससे मजदूरों का उत्साह बढ़ गया है।

टनल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले टनल विशेषज्ञ कर्नल परिक्षित मेहरा ने बताया कि जल्द ऑगर मशीन से ड्रिलिंग का काम शुरू होगा। बताया कि सब कुछ ठीक रहा तो शाम तक एस्केप टनल बनाने का काम पूरा हो जाएगा। अब 9 से 12 मीटर की ही ड्रिलिंग शेष है।

बंगलूरू की स्क्वाड्रोन इंफ्रा के छह टनलिंग-माइनिंग विशेषज्ञ इंजीनियर की टीम ने सुरंग में पहुंचकर आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस से भीतर के हालात बताए, जिससे अभियान को अंजाम तक पहुंचाने में काफी मदद मिली।

लाहौल-स्पीति के काजा और ताबो में ताजा बर्फबारी, कई भागों में तीन दिन मौसम खराब रहने के आसार

एनटीवी,कुल्लू

काजा और ताबो में सोमवार रात व मंगलवार सुबह हुई ताजा बर्फबारी से शीतलहर बढ़ गई है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले के काजा और ताबो में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। पूरे क्षेत्र ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। सोमवार रात व मंगलवार सुबह हुई ताजा बर्फबारी से शीतलहर बढ़ गई है। वहीं, किन्नौर की ऊंची चोटियों पर भी बर्फबारी हुई है। उधर, बर्फबारी से पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य के मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में 1 दिसंबर तक मौसम खराब रहने की संभावना जताई है। 30 नवंबर को एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने

की संभावना है। इसके प्रभाव से कई भागों में बारिश-बर्फबारी होने के आसार हैं। 2 दिसंबर से राज्य के सभी भागों में मौसम साफ रहने के आसार हैं। आज राजधानी शिमला व आसपास भागों में धूप खिलने के साथ हल्के बादल भी छाए हुए हैं।

न्यूनतम तापमान

शिमला में न्यूनतम तापमान 6.4, सुंदरनगर 5.7, भुंतर 6.2, कल्पा 1.2, धर्मशाला 10.2, ऊना 8.0, नाहन 11.7, पालमपुर 7.5, सोलन 9.5, मनाली 4.4, कांगड़ा 10.1, मंडी 6.8, चंबा 8.7, डलहौजी 8.4, जुब्बड़हट्टी 9.6, कुफरी 5.2, नारकंडा 3.6, भरमौर 10.0, रिकांगपिओ 4.7, सेऊबाग 4.2, धौलाकुआं 11.4, बरठीं 9.9, समधो 1.5, पांवटा साहिब 14.0, सराहन 6.0 और देहरा-गोपीपुर में 12.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

सेना की मदद से रैट माइनर्स ने शुरू की खोदाई, एक मीटर और आगे बढ़ा पाइप...

एनटीवी,देहरादून

पहाड़ के ऊपर से भी खोदाई का काम चल रहा है। अब तक 36 मीटर से अधिक की खोदाई की जा चुकी है। जमीन के अंदर की स्थिति जानने के लिए छह इंच के पाइप को 70 मीटर तक बोर किया गया है और सबकुछ ठीक मिला है। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए छह सदस्यीय रैट माइनर्स की टीम भी पहुंची है। सोमवार शाम सात बजे सेना की मदद से टीम ने हाथ से खोदाई शुरू कर दी। अब तक एक मीटर पाइप आगे बढ़ाया जा चुका है। ऑगर मशीन के फेल होने के बाद हाथ से खोदाई कराने का फैसला किया गया है।

पहाड़ के ऊपर से भी खोदाई का काम चल रहा है। अब तक 36 मीटर से अधिक की खोदाई की जा चुकी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण करने वाली सेना की इकाई सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व मुख्य इंजीनियर और बचाव अभियान में जुटे लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हरपाल सिंह ने बताया कि 36 मीटर तक वर्टिकल ड्रिलिंग कर ली गई है। जमीन के अंदर की स्थिति जानने के लिए छह इंच के पाइप को 70 मीटर तक बोर किया गया है और सबकुछ ठीक मिला है। 800 एमएम व्यास के पाइप को बोर करने के लिए फ्रेम तैयार कर लिया है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले एक से डेढ़ दिन में 10 मीटर तक बोर किया जा सकता है।

हरपाल सिंह ने बताया कि होरिजॉन्टल ड्रिलिंग के दौरान 800 एमएम के पाइप में फंसे ऑगर मशीन के मलबे को निकाल लिया गया है। पाइप के जिस 1.5 मीटर हिस्से को काटकर अलग किया था, उसे निकालकर हाथ से खोदाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि रैट माइनिंग आमतौर पर कोयला उत्खनन के लिए किया जाता है, खासकर ऐसी जगहों पर जहां मशीन जाने के लिए जगह नहीं होती।

सिलक्यारा पहुंचे रैट माइनिंग टीम के सदस्य

हरपाल सिंह ने बताया कि रैट माइनिंग टीम के दो सदस्य पाइप में घुसेंगे। इनके पास छोटे फावड़े, छोटी ट्रॉली, ऑक्सीजन मास्क व हवा को सकुर्लेट करने के लिए एक ब्लोअर होगा। एक सदस्य खोदाई करेगा, दूसरा मलबा ट्रॉली में भरेगा। फिर ट्रॉली बाहर खींच ली जाएगी। चूंकि एक बार में ट्रॉली में छह से सात किलो मलबा ही बाहर आएगा, इसलिए इसमें समय लगेगा। एक टीम के थकने पर दूसरी अंदर जाएगी। इस रास्ते से 8 से 10 मीटर खोदाई करनी है। सेना के मद्रास शैपर्स की 30 सदस्यीय टीम मदद कर रही है।

पीएम मोदी के प्रधान सचिव ने लिया जायजा

बचाव कार्य के 16वें दिन पीएम नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव प्रमोद कुमार मिश्र ने मौके पर जाकर हालात का जायजा लिया। उनके साथ केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और उत्तराखंड के मुख्य सचिव एसएस संधू भी थे। प्रधान सचिव ने सुरंग में फंसे मजदूरों और वहां मौजूद परिजनों से बातचीत की। खाने-पीने के सामान की जानकारी ली। सुरंग में फंसे मजदूरों की तरफ से गब्बर सिंह नेगी ने मिश्र से बात की।

सुरंग में फंसे भाइयों को निकाल लेंगे

रैट माइनर्स टीम के सदस्य मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। उनमें से एक ने कहा, हम भी मजदूर हैं और सुरंग में फंसे लोग भी मजदूर हैं। वे हमारे भाई हैं और हम जल्द से जल्द उन्हें बाहर लाना चाहते हैं। हमें ऐसे काम का लंबा अनुभव है और इतना भरोसा है कि हम यह काम कर लेंगे।

मेडिकल चेकअप के लिए सुरंग में लगेंगे आठ बेड

सुरंग से बाहर आते ही सबसे पहले श्रमिकों का मेडिकल चेकअप किया जाएगा। इसके लिए सुरंग में ही आठ बेड लगाए जाएंगे। 41 एंबुलेंस व डॉक्टरों की टीम तैनात रहेगी।

शादी में बचे हैं कुछ दिन तो ऐसे रखें त्वचा का ध्यान, खास दिन पर निखर उठेगा चेहरा

एनटीवी

नई दिल्ली
लड़कियां चाहे कितना भी स्किन केयर से दूर रह लें, लेकिन जब उनकी शादी तय होती है तो हर लड़की इस कोशिश में लग जाती है कि उनका चेहरा शादी से दिन खिला-खिला रहे। इसके लिए वो बालों से लेकर पैरों की उंगलियों तक का खास ध्यान रखती हैं।
इस दौरान वो तमाम तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेती हैं, ताकि शादी से दिन लोगों की नजर उनपर से हट ना पाए लेकिन कई बार बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और काम के बोझ की वजह से इन ट्रीटमेंट का अच्छा असर चेहरे पर नहीं होता है। ऐसे में हर होने वाली दुल्हन को स्किन केयर ट्रीटमेंट लेने के साथ-साथ घर पर ही एक सिंपल का स्किन केयर रूटीन भी फॉलो जरूर करना चाहिए। अगर आपकी शादी कुछ ही दिनों में होने वाली है, तब तो स्किन केयर रुटीन फॉलो करना आपके लिए बेहद जरूरी होता है ताकि शादी से दिन किसी की नजरें आप पर से हटें ही नहीं।

गुलाब जल का करें इस्तेमाल
गुलाब जल में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को गुलाबी निखार देते हैं। ऐसे में अपनी शादी से पहले त्वचा पर इसका इस्तेमाल जरूर करें। इसके इस्तेमाल से त्वचा हाइड्रेट भी रहती है।

हर रोज करें क्लींजर का इस्तेमाल
चेहरे से गंदगी को साफ करने के लिए क्लींजर का इस्तेमाल किया जाता है। केमिकल मुक्त क्लींजर के इस्तेमाल से आपकी त्वचा गहराई से ना सिर्फ साफ होगी, बल्कि साथ ही में इससे चेहरे के पोर्स भी खुल जाएंगे।

चेहरे पर लगाएं ये क्रीम
विटामिन ई फेस क्रीम के इस्तेमाल से चेहरे की कई परेशानियां दूर होंगी। ये आपके चेहरे को नरिश करने का काम भी काफी अच्छे से करती है।

फेशियल ऑयल
अगर आपको ये समझ नहीं आता कि चेहरे के लिए आप किस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं तो इसमें हम आपकी मदद करेंगे। दरअसल, टी ट्री प्यूरिफाई फेशियल ऑयल चेहरे की कई परेशानियों को जड़ से खत्म करता है। ऐसे में आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

अच्छी क्वालिटी का फेसवॉश करें इस्तेमाल
बाजार में आपको तमाम तरह के फेसवॉश उपलब्ध हो जाते हैं, लेकिन आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से फेसवॉश खरीदें और दिन में दो बार उसी का इस्तेमाल करें।

ना भूलें सनस्क्रीन
भले ही आप घर से बाहर ना निकलें, लेकिन फिर भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। ये आपको सूरज की हानिकारक किरणों से बचा कर रखेगी।

सर्दियों में जा रही हैं घूमने तो इन अभिनेत्रियों के लुक्स से टिप्स लेकर हों तैयार...

नई दिल्ली

सर्दियों के मौसम में हर कोई घूमने का प्लान बनाता है। इसकी वजह है कि एक तो इस मौसम में घूमने से तबियत खराब नहीं होती, दूसरा इसी मौसम में पहाड़ों पर जमकर बर्फबारी होती है। ऐसे में लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाते हैं। बहुत से लोग तो सोलो ट्रिप तक पर जाते हैं।
जब हम गर्मी में घूमने जाते हैं, तो स्टाइलिश दिखने के लिए हमारे पास कई ऑप्शन होते हैं, लेकिन सर्दियों के मौसम में तो ये समझ ही नहीं आता कि कैसे कपड़े पहनें और कैसे तैयार हों। ऐसे में आज हम आपकी इसी परेशानी को दूर कर रहे हैं। दरअसल, आज हम आपको कुछ ऐसी अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं, जो अक्सर घूमने जाती रहती हैं। इन अभिनेत्रियों के विंटर लुक्स काफी ज्यादा स्टाइलिश होते हैं। इसी के चलते आज हम आपको इन एक्ट्रेस के विंटर लुक्स दिखाएंगे। जेनिफर विंगेट अपनी एक्टिंग की वजह से लोगों का दिल जीतने वाली जेनिफर का स्टाइल भी लोगों को काफी लुभाता है। अगर आप कहीं बाहर जा रहीं हैं तो जेनिफर के इस लुक से टिप्स लेकर शॉपिंग कर सकती हैं।

सोनम कपूर
बॉलीवुड की डीवा सोनम कपूर को ऐसे ही फैशनिस्टा नहीं कहा जाता। दरअसल, उनके लुक्स ही इतने लुभावने होते हैं, कि उस पर से नजरें हटाना मुश्किल होता है। अगर कुछ हटकर पहनने का सोच रहीं हैं, तो सोनम के इस लुक से टिप्स ले सकती हैं।

हिना खान
अगर आप अपने लुक को स्टाइलिश रखना चाहती हैं तो ब्लैक डेनिम के साथ ब्लू शॉर्ट स्कर्ट और उसके ऊपर व्हाइट शर्ट कैरी कर सकती हैं। अगर आप इसके साथ ग्रीन हाफ स्वेटर पहनेंगी तो आपका लुक काफी अलग दिखेगा।

प्रियंका चोपड़ा
प्रियंका का स्टाइलिश अंदाज तो किसी से छिपा नहीं है। आप अगर अपने लुक को सर्दियों में भी ग्लैमरस रखना चाहती हैं तो व्हाइट शॉर्ट ड्रेस के साथ एक ब्लेजर कैरी कर सकती हैं। इसके साथ बूट्स पहनना ना भूलें।

रुबीना दिलैक
अगर आपको काफी ज्यादा ठंड लगती है तो रुबीना का ये लुक आपके लिए सही विकल्प है। ब्लैक रंग की जींस के साथ अगर आप लाल जैकेट पहनेंगी तो ये लुक स्टाइलिश भी लगेगा और इसमें आपको सर्दी भी नहीं लगेगी।

कटरीना कैफ
अगर आपको बुनाई वाले स्वेटर पसंद हैं, तो कटरीना के ये लुक्स आपके लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। इनसे सर्दियों में शरीर गर्म भी रहता है और साथ में ये आजकल काफी चलन में भी हैं।

सर्दियां आते ही बढ़ जाता है आपका वजन, तो इन आसान टिप्स से करें वेट मेंटेन...

नई दिल्ली। गिरते तापमान के साथ ही सर्दी ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। बीते दिनों देश के विभिन्न हिस्सों में हुई बरसात में ठंड को बढ़ा दिया है। सर्दी का मौसम आते ही हमारी लाइफस्टाइल पूरी तरह से बदल जाती है। इस दौरान खानपान से लेकर पहनावे तक सबकुछ बदल जाता है। इतना ही नहीं सर्दियों में लोग आलस का भी शिकार हो जाते हैं। दरअसल, सर्दियों में हमारा मन बस कंबल या रजाई में दुबककर रहने का करता है।
इतना ही नहीं ठंड के इस मौसम आलस की वजह से हमारी शारीरिक गतिविधि भी काफी सीमित हो जाती है। साथ ही इस सीजन में भूख भी काफी बढ़ जाती है, जिसकी वजह से हम ज्यादा खाना शुरू कर देते हैं। ऐसे में सर्दियों में ज्यादा खाने और कम शारीरिक गतिविधियों की वजह से अक्सर हमारा वजन बढ़ जाता है और अपने बढ़ते वजन को कंट्रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी सर्दियों में इस वजह से परेशान रहते हैं, तो इन आसान टिप्स की मदद से इस मौसम में अपना वजन कंट्रोल कर सकते हैं।

सही डाइट फॉलो करें
यह तो हम जानते ही हैं कि सर्दियों में अक्सर ज्यादा भूख लगती है, जो हमें ज्यादा खान के लिए प्रेरित करती है। ऐसे में ज्यादा खाने की वजह से हमारे शरीर में दैनिक कैलोरी की मात्रा बढ़ जाता है, जो वजन बढ़ाने में योगदान देती है। ऐसे में इससे बचने के लिए कोशिश करें कि आप अपनी डाइट में फाइबर से भरपूर फूड्स शामिल करें, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखेगी और आप ज्यादा खाने से बचे रहेंगे।

गर्म पानी पीने से बचें

ठंड के मौसम में ज्यादातर लोग खुद को गर्म रखने के लिए गर्म चीजें खाना और पीना पसंद करते हैं। यही वजह है इस मौसम में कई लोग गर्म पानी पीते हैं, लेकिन अगर आप अपना वजन कंट्रोल करना चाहते हैं, तो गर्म की जगह ठंडा पानी पिएं। अध्ययनों से पता चलता है कि शरीर के मुख्य तापमान से ज्यादा ठंडा खाने या पीने से शरीर को गर्म बनाने के लिए ज्यादा मेहनत लगती है, जिससे कैलोरी बर्न होने में मदद मिलती है।

हर्बल चाय पिएं

सर्दियों में चाय-कॉफी पीने का अपना अलग मजा होता है। हालांकि, आमतौर पर पी जाने वाली चाय-कॉफी सेहत को नुकसान ही पहुंचाती है। ऐसे में अगर आप इस मौसम अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो चीनी और दूध से भरपूर अपनी नियमित कॉफी और चाय के बजाय हर्बल चाय और ब्लैक कॉफी लें। ओलोंग चाय, हिबिस्कस चाय, काली चाय या ब्लैक कॉफी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं, जिन्हें नियमित रूप से पीने से आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है और आपको तेजी से फैट बर्न करने में मदद मिल सकती है।

घर के काम करें

सर्दियों में अक्सर बाहर जाने का मन करता, जिसकी वजह से हमारा वर्कआउट रूटीन भी काफी बिगड़ जाता है। ऐसे में अगर आप घर से बाहर अपना वर्कआउट नहीं कर पा रहे हैं, तो घर के अंदर ही कुछ शारीरिक गतिविधियों की मदद से अपना वजन मेंटेन कर सकते हैं। आप घर के कुछ काम जैसे सफाई-धुलाई, पोछा लगाना, बागवानी और अन्य घरेलू कामों की मदद से काफी मात्रा में कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

हाइड्रेटेड रहें

सेहतमंद रहने के लिए शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा होना काफी जरूरी है। हालांकि, सर्दियों में अक्सर लोग कम मात्रा में पानी पीने लगते हैं, क्योंकि इस मौसम में प्यास काफी कम लगती है। लेकिन ऐसा करना आपके लिए हानिकारक हो सकता है। सर्दियों में डिहाईड्रेशन की वजह से भूख ज्यादा लग सकती है और आपके शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता कम हो सकती है। ऐसे में कोशिश करें कि इस मौसम में भी पर्याप्त पानी पीते रहें।

संक्षिप्त खबरें

गैंगस्टर एक्ट में वांछित दस हजार का इनामी गिरफ्तार

साहिबाबाद। पुलिस ने बुलंदशहर देहात कोतवाली में दर्ज मुकदमे में गैंगस्टर एक्ट के वांछित दस हजार के इनामी अखलाकुर्रहमान निवासी अशोक विहार लोनी को गिरफ्तार किया है। वह खन्ना नगर में पूर्वांचल अस्पताल का मालिक है। उससे तमंचा और कारतूस मिला है। पुलिस ने बताया कि बुलंदशहर में बसपा से जुड़े मोहम्मद युनुस और उनके साथियों पर 2021 में मिर्ची टोला कोतवाली बुलंदशहर के अनस ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। युनुस के चालक खालिद की मौत हो गई थी जबकि अनस पक्ष के दीपक का इलाज अखलाकुर्रहमान ने चोरी-छिपे किया था। इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी थी। उस पर कोतवाली बुलंदशहर देहात में मुकदमा चल रहा है। एसीपी रजनीश उपाध्याय का कहना है कि अखलाकुर्रहमान गैंगस्टर एक्ट में दस हजार का इनामी भी है।

इमरजेंसी में पहुंचे मरीज ने डॉक्टर पर लगाया मारपीट का आरोप

गाजियाबाद। दुर्घटना में घायल व्यक्ति ने इलाज के दौरान डॉक्टर और स्टाफ पर मारपीट का आरोप लगाकर हंगामा किया। घायल ने मेडिकल कराने को लेकर डॉक्टर से गाली गलौज की और उन पर इमरजेंसी में मारपीट करने का आरोप लगाया। हंगामा बढ़ने पर डॉक्टर ने पुलिस बुला ली, इलाज के बाद घायल को पुलिस को सौंप दिया। बुलंदशहर के शिकारपुरी निवासी जगदीश (37) लालकुआं के पास सिल्वर सिटी मॉल के सामने सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस से एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। इमरजेंसी में मौजूद ईएमओ डॉ. राजीव वर्मा ने मरीज से कहा कि उसके शरीर पर किसी तरह की चोट नहीं है। इस पर जगदीश ने इमरजेंसी में हंगामा शुरू कर दिया और डॉक्टर से गाली- गलौच करने लगे। सीएमएस डॉ. मनोज चतुर्वेदी ने बताया कि इमरजेंसी में हंगामा करने वाले मरीज की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी इसके चलते उसे मेडिकल और उपचार के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया।

बरात में कंधा टकराने पर युवक को पीटा

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम क्षेत्र के गांव मोरटा में शादी समारोह में आए हापुड़ के गांव देहपा निवासी पुनीत कुमार की उनके ही गांव के युवकों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोपियों ने बरात में कंधा टकराने पर वारदात की। आरोप है कि माफी मांगने के बाद भी आरोपी प्रशांत त्यागी, अंकित त्यागी और निक्की त्यागी ने उनकी पिटाई की। वह वहां से किसी तरह जान बचाकर भागे तो आरोपियों ने कुछ देर बाद फिर उन्हें ढूंढ कर पिटाई की। मामले में उन्होंने मधुबन बापूधाम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी कविनगर का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। संवाद

शराब पीने से मना करने पर पत्नी पर ताना तंमचा

मोदीनगर। निवाड़ी मार्ग स्थित जगतपुरी कॉलोनी में शराब पीने से मना करने पर पति ने पत्नी को बुरी तरह पीटा और उस पर तमंचा तान दिया। मौके पर पहुंचे पड़ोसी ने किसी तरह महिला की जान बचाई। जानकारी के बाद पहुंचे महिला के मायके वालों को भी आरोपी ने पीटकर घायल कर दिया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। जगतपुरी कॉलोनी निवासी सरिता शर्मा ने बताया कि उनके पति अशोक कुमार उर्फ मुक्की नशे का आदी है।

ट्रकों के लिए चार स्थानों पर बनेंगी पार्किंग, 772 ट्रक हो सकेंगे खड़े

● इनके अलावा शहर के विस्तार को देखते हुए दो बड़े लॉजिस्टिक हब भी बनाए जाएंगे। इनका खाका भी मास्टर प्लान में खींच लिया गया है।

एनटीवी

गाजियाबाद। शहर में ट्रकों का जाम खत्म होगा। मास्टर प्लान-2031 में जीडीए ने औद्योगिक क्षेत्रों के नजदीक ट्रकों के लिए चार पार्किंग स्थल बनाए जाने के लिए जगह चिह्नित कर दी है। साहिबाबाद, भोपुरा, टीला मोड़ और परेड ग्राउंड में बनाए जाने वाले इन चार पार्किंग स्थलों को दो चरणों में बनाया जाएगा। पहले चरण में साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र और भोपुरा में पार्किंग स्थल बनेंगे। इनके अलावा शहर के विस्तार को देखते हुए दो बड़े लॉजिस्टिक हब भी बनाए जाएंगे। इनका खाका भी मास्टर प्लान में खींच लिया गया है।अगले 10 साल के नियोजित विकास के लिए तैयार किए गए मास्टर प्लान में आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में आने-जाने वाले ट्रकों के खड़े होने के लिए पार्किंग की जरूरत को भी प्रमुखता से शामिल किया गया है। गाजियाबाद में अगले एक-डेढ़ साल में करीब एक लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश प्रस्तावित है। इसमें नए उद्योग भी स्थापित होंगे। ऐसे में जीडीए ने तकरीबन 800 ट्रकों के लिए चार स्थानों पर पार्किंग बनाने के लिए भू-उपयोग चिह्नित कर दिया है। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पहले चरण में साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में 285 ट्रकों के लिए और भोपुरा में 85 ट्रकों के लिए पार्किंग स्थल बनाया जाना प्रस्तावित किया गया है। दूसरे चरण में परेड ग्राउंड में 285 वाहनों के लिए और टीला मोड़ क्षेत्र में 117 ट्रकों के लिए पार्किंग स्थल बनाया जाना प्रस्तावित किया गया है। टीला मोड़ क्षेत्र में कई कंपनियों के गैस प्लांट हैं और यहां रोजाना काफी संख्या में ट्रकों का आवागमन होता है। डासना और लोनी में 250 एकड़ में बनेंगे लॉजिस्टिक हब मास्टर प्लान-2031 में लॉजिस्टिक हब बनाने के लिए भी 250 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। दरअसल, आबादी बढ़ने के साथ-साथ खाद्य वस्तुओं की मांग भी बढ़ रही है। गाजियाबाद में फिलहाल कोई बड़ा लॉजिस्टिक पार्क विकसित नहीं है, बल्कि अलग-अलग क्षेत्रों में छोटे-छोटे गोदाम बनाकर इनमें सामान स्टोर किया जा रहा है। आने वाले दिनों में लॉजिस्टिक हब की जरूरत होगी, ऐसे में जीडीए ने करीब 100 एकड़ जमीन लोनी रेलवे स्टेशन के पास और 150 एकड़ जमीन डासना रेलवे स्टेशन के पास लॉजिस्टिक पार्क के लिए चिह्नित कर भू-उपयोग तय कर दिया है। जीडीए ने इन क्षेत्रों का चयन इसलिए किया है क्योंकि यहां से रेल और सड़क परिवहन की बेहतर कनेक्टिविटी है। लोनी में रेलवे की कनेक्टिविटी के साथ-साथ दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे और दिल्ली-देहरादून ग्रीन कॉरिडोर से भी कनेक्टिविटी होगी। दूसरी ओर, डासना में भी ट्रेन के साथ-साथ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से इस लॉजिस्टिक पार्क को कनेक्टिविटी मिल जाएगी। दोनों लॉजिस्टिक पार्क में खाद्य वस्तुओं को स्टोर करने के लिए स्टोरेज और गोदाम बनाए जाएंगे।अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

घर के बाहर बैठी महिला को कार ने मारी टक्कर, 40 मीटर तक घसीटा

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र की लालबाग कालोनी में घर के बाहर बैठी महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। चालक महिला को 40 मीटर तक घसीटता रहा। लोगों की भीड़ देख चालक मौके से फरार हो गया। महिला की पसलियों में दस फ्रैक्चर आए हैं। गंभीर हालत देख दिल्ली रेफर किया गया है। लालबाग कालोनी निवासी जुगेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी पूनम सोमवार को घर के बाहर बैठी थीं। तभी डी ब्लॉक की तरफ से एक तेज रफ्तार कार आई और पूनम को टक्कर मार दी। पूनम कार के बंपर में फंस गई। चालक ने कार को रोकने की जगह करीब 40 मीटर तक पूनम को घसीटता रहा। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। लोगों को आता देख चालक कार मौके पर छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल पूनम को कार के नीचे से निकाला और परिजन को सूचना दी। घायल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पसलियों में दस जगह फ्रैक्चर और शरीर में कई जगह चोट लगने की पुष्टि करते हुए महिला को दिल्ली रेफर कर दिया। एसीपी रवि प्रकाश ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

कश्मीरी गेट की जगह कौशांबी से चलने लगीं उत्तराखंड की बसें

● दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से इस रूट की बसों का संचालन कश्मीरी गेट से बंद किया गया है। इन बसों का संचालन कौशांबी से शुरू किया गया है।

एनटीवी

कौशांबी। दिल्ली के कश्मीरी गेट से उत्तराखंड के लिए चलने वाली एसी और साधारण बसों का संचालन सोमवार से कौशांबी बस अड्डे से शुरू हो गया। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से इस रूट की बसों का संचालन कश्मीरी गेट से बंद किया गया है। गाजियाबाद रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक केशरी नंदन चौधरी ने बताया कि कश्मीरी गेट से हल्द्वानी, देहरादून, पिथौरागढ़, हरिद्वार के लिए बसों का संचालन होता है, इन बसों का संचालन कौशांबी से शुरू किया गया है।इ 16 दिसंबर से एसी बसों का किराया होगा कम ठंड की वजह से रोडवेज प्रबंधन एसी बसों के किराए में कटौती करने जा रहा है। एसी बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों को 16 दिसंबर से 28 फरवरी तक किराए में छूट दी जाएगी। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि एसी 3 बाई 2 में 1.47 रुपये, एसी 2 बाई 2 में 1.74 रुपये, वोल्वो में 2.58 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से छूट दी जाएगी। गाजियाबाद रीजन से लंबी दूरी के लिए कुल 105 एसी बसें चलाई जाती हैं।

इंदिरापुरम में युवक की गला रेतकर हत्या, पार्क में मिली लाश; शरीर पर चोट के निशान

एनटीवी

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में युवक की गला रेतकर हत्या करने का मामला सामने आया है। इंदिरापुरम अभखंड के पार्क में शव मिलने से सनसनी फैल गई। शरीर पर चोट के निशान हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम की अभयखंड चौकी क्षेत्र के ग्रीन पार्क में मंगलवार सुबह एक युवक का शव मिला। युवक का गला रेतकर हत्या की गई और शव को ठिकाने लगाया गया है। युवक की उम्र करीब 25-26 वर्ष के आसपास है। पुलिस को लोगों ने पार्क में शव पड़ा होने की सूचना दी थी। हत्याः नशा, प्रेम प्रसंग या अन्य कारण पुलिस शव की पहचान करने और हत्याकांड के कारण को जानने में जुटी है। फिलहाल पुलिस खाली हाथ है। सीसीटीवी की मदद, लोगों से पूछताछ कर कातिल का सुराग पाने में लगी है।तीन दिन में मिला दूसरा शव इलाके में शव मिलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इंदिरापुरम में तीन दिन पहले सोसायटी में युवती का शव मिला था। हालांकि युवती की मौत 23वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। 74 सीसीटीवी खांगलने पर छह घंटे बाद दिल्ली की युवती के रूप पहचान हुई थी। नशाखोरी के लिए बदनाम है पार्क पार्षद हरीश कडकोटी ने बताया कि खोड़ाकी ओर पैदल जाने के लिए बने रास्ते के पास ग्रीन बेल्ट में जीडीए ने पार्क बनाया हुआ है। पार्क में हमेशा असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। पार्क नशाखोरी के लिए बदनाम है। वह भी पूर्व में कई बार पार्क पहुंचकर लोगों को भगा चुके हैं।

किराना कारोबारी के मकान से 10 लाख के नकदी-गहने चोरी

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र में चोरों का आतंक कम नहीं हो रहा है। रविवार रात सेवानगर में चोरों ने किराना कारोबारी हिमांशु गर्ग के मकान का ताला तोड़कर करीब 10 लाख के गहने व नकदी चोरी कर ली। सोमवार सुबह करीब चार बजे हिमांशु जब घर पहुंचे तो उन्हें ताले टूटे मिले और सामान बिखरा मिला। मामले में हिमांशु के भाई विनय ने नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। नंदग्राम क्षेत्र में चोरों ने 27 दिनों में सात चोरी की वारदात की लेकिन पुलिस एक का भी खुलासा नहीं कर पाई है। हिमांशु गर्ग ने बताया कि उनकी कुछ समय पहले ही शादी हुई थी। उनके व उनकी पत्नी के गहने रखे थे। उनके मामा के बेटे की भी 27 नवंबर की शादी है। 25 नवंबर को उसकी सगाई समारोह में परिवार हरियाणा गया था। सोमवार सुबह जब वह वापस लौटे तो उन्हें मकान के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा मिला। चोर करीब 10 लाख की कीमत के गहने व नकदी समेत उनका डीजे के सामान व अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए।

चढ़त से पहले दूल्हे के पिता से बाइक सवार बदमाशों ने डेढ़ लाख रुपये लूटे

एनटीवी

साहिबाबाद। टीलामोड़ थाने के पास ऑक्सी होम्स सोसाइटी के बाहर बरात की चढ़त के दौरान दूल्हे के पिता से बैग छीनकर बाइक सवार लुटेरे फरार हो गए। बैग में करीब डेढ़ लाख रुपये थे।उन्होंने लुटेरों का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी भोपुरा की तरफ भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मोदीनगर स्थित दयापुरी जैन वाली गली के निवासी राजपाल सिंह के बेटे मोहित की बरात 24 नवंबर को टीलामोड़ थाना क्षेत्र की दिल्ली 99 सोसाइटी में आई थी। चढ़त से पहले ऑक्सी होम्स सोसाइटी के बाहर तैयारियां चल रही थीं। सामने से गलत दिशा से आए बाइक सवार लुटेरे राजपाल के हाथ से रुपयों से भरा बैग झपटकर भोपुरा की तरफ भाग गए। घटना की सूचना पुलिस को दी। राजपाल ने बताया कि बैग में करीब डेढ़ लाख रुपये थे जो बैंड-बाजे वालों के अलावा अन्य जरूरी काम के लिए लेकर आए थे। सड़क पर खड़े कुछ लोगों ने लुटेरों को भागते हुए देखा था। बाइक चला रहे लुटेरे ने हेलमेट लगाया था, जबकि बैग छीनने वाले पीछे बैठे लुटेरे ने हेलमेट नहीं पहना था। लोगों ने उसका चेहरा भी देखा। पुलिस ने कुछ लुटेरों के फोटो दिखाकर लोगों से पहचान कराई। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की हैं। दुल्हन के पिता के हाथ से बैग चोरी नंदग्राम थाना क्षेत्र के अटौर नंगला गांव निवासी महेश कुमार ने बताया कि 25 नवंबर को फर्रुखनगर के चौधरी फार्म हाउस में बेटी की शादी थी। वह अन्य लोगों के साथ खड़े होकर मुख्य दरवाजे पर बरात का स्वागत कर रहे थे। इस बीच उनके हाथ में लगा बैग चोरी हो गया। बैग में नकदी के अलावा कुछ गहने थे। शादी समारोह में शक होने पर एक संदिग्ध युवक को पकड़कर तलाशी ली। उसके पास से तीन चांदी के सिक्के बरामद हुए, लेकिन बैग में रखे दस हजार रुपये नहीं मिले। पुलिस को पूछताछ में उसने साथी मुरादनगर के पवन उर्फ इरफान का नाम बताया है।

नाले की दीवार से टकराई कार, तीन श्रद्धालुओं की मौत

हरिद्वार/बहादराबाद। कार्तिक पूर्णिमा पर हरिद्वार से स्नान कर लौट रहे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के एक परिवार की कार सोमवार को हाईवे पर नाले की दीवार से टकरा गई, जिससे पिता-पुत्र समेत तीन की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग का उपचार चल रहा है।पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह आठ बजे गंगा स्नान के बाद वैगनआर कार से परिवार गाजियाबाद लौट रहा था। क्रिस्टल वर्ल्ड के सामने शांतरशाह में हाईवे पर कार बेकाबू होकर नाले की पुलिया की दीवार से टकरा गई, जिससे कार सवार चार लोग घायल हो गए। जानकारी पर मौके पर पहुंची बहादराबाद थाना पुलिस ने सभी कार से बाहर निकालकर एंबुलेंस से रुड़की सिविल अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मिथलेश झा (56), राजन झा (25) और आशीष (22) निवासी संदीप एनक्लेव अकबरपुर ब्रह्मपुर गाजियाबाद यूपी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल मिथिलेश का उपचार चल रहा है।

जीडीए की जमीन को बेचने का सौदा कर 3.50 करोड़ हड़पे

एनटीवी

गाजियाबाद। राजनगर के रहने वाले एक कंपनी के निदेशक अनिल बंसल से दंपती ने दो बेटों के साथ मिलकर जमीन बेचने के नाम पर साढ़े तीन करोड़ रुपये हड़प लिए। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज पेश करके इंदिरापुरम में जीडीए की जमीन का सौदा कर दिया। उन्हें जमीन के बारे में पता चला कि जमीन जीडीए की है और जमीन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। दंपती की मौत होने के बाद उनके दोनों बेटों ने रुपये लौटाने से इन्कार कर दिया। मामले में उन्होंने कविनगर थाने में प्रशांत गर्ग और निशांत गर्ग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अनिल बंसल दिल्ली बाराखंबा रोड स्थित मैसर्स कर्मयोगी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। उनका कहना है कि उन्हें कंपनी के प्रोजेक्ट के लिए एक जमीन की आवश्यकता थी। उनकी मुलाकात पीयूष गर्ग और उनकी पत्नी दीपा गर्ग से हुई। उन्होंने अपने बेटे प्रशांत व निशांत गर्ग के साथ बैठकर बात की। उनका कहना है कि पीयूष ने बताया उनके पास 8590 वर्ग मीटर जमीन ग्राम महीउद्दीन कनावनी परगना लोनी, इंदिरापुरम में है जो दीपा गर्ग के नाम है। विश्वास में लेकर अनिल ने जमीन का सौदा कर लिया और विभागीय खर्चे खुद उठाने के लिए कहा। जमीन देखने के बाद दोनों के बीच 2012 में एग्रीमेंट हो गया। जिसमें पीयूष गर्ग, प्रशांत गर्ग ने गवाह के रूप में हस्ताक्षर किए। मई 2013 तक जीडीए से सीएलयू व नक्शे पास कराकर जमीन पर कब्जा देने का वादा किया। इसके लिए उन्होंने उनसे चार करोड़ रुपये ले लिए। उन्होंने उन्हें जो दस्तावेज दिए उन्हें लेकर वह जीडीए में गए तो पता चला कि सभी दस्तावेज व नक्शे फर्जी हैं और जमीन का मामला हाईकोर्ट में जीडीए से भूमि अधिग्रहण का मामला विचाराधीन है। उन्होंने आरोपियों से संपर्क किया तो उन्होंने माफी मांगकर दूसरा एग्रीमेंट किया। जिसमें 21 महीने में रुपये लौटाने का तय हुआ। इसी बीच दीपा और पीयूष की मौत हो गई। आरोप है कि निशांत और प्रशांत ने दीपा गर्ग के हस्ताक्षर हुए साढ़े तीन करोड़ रुपये के चेक उन्हें दिए जो बाउंस हो गए। उन्होंने फिर तकादा किया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

शादी में आए दुल्हन के पिता के दोस्त की गोली मारकर हत्या

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र में स्थित एक फार्म हाउस में सोमवार रात आयोजित शादी समारोह पर आए एक व्यक्ति को उसके समधि ने किसी बात पर विवाद होने पर गोली मार दी। जिससे मौके पर ही मौत हो गई। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र में स्थित एक फार्म हाउस में सोमवार रात आयोजित शादी समारोह पर आए एक व्यक्ति को उसके समधि ने किसी बात पर विवाद होने पर गोली मार दी। जिससे मौके पर ही मौत हो गई। मृतक व्यक्ति दुल्हन के पिता का दोस्त है। इस घटना से अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी के बारे में पता चला। पुलिस के मुताबिक, नोएडा के होशियारपुर गांव निवासी विनोद यादव की बेटी की सोमवार को शादी थी। कार्यक्रम का आयोजन ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में स्थित एक फार्म हाउस में किया गया था। समारोह में विनोद यादव के दोस्त अशोक यादव निवासी गांव होशियारपुर नोएडा आए हुए थे। इसी समारोह में अशोक यादव के समधि शेखर मूल निवासी हापुड़ वर्तमान निवासी गाजियाबाद भी आए हुए थे। जिनका आपस में पारिवारिक विवाद चल रहा है। अशोक यादव के बेटे के साथ शेखर की बेटी की शादी हुई थी। शादी समारोह में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि शेखर ने अशोक यादव गोली मार दी। गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। इस घटना से अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा वेस्ट हृदेश कठेरिया ने बताया कि दो रिश्तेदारों के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद में गोली मारकर हत्या की गई है। शव का पंचायतनामा भर कारवाई की जा रही है। आरोपी शेखर के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

निपुण सर्वेक्षण का काम आज से शुरू, 70 डीएलएड जुटेंगे

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। जिले के परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की भाषा व गणित में मूल्यांकन के लिए निपुण सर्वेक्षण का काम 28 नवंबर से शुरू हो रहा है। इसमें लक्ष्य एप के जरिए निपुण छात्रों की पहचान की जाएगी। 10 दिसंबर तक चलने वाले इस काम में 70 डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजूकेशन (डीएलएड) प्रशिक्षु जुटेंगे। प्रत्येक प्रशिक्षु प्रतिदिन 72 छात्रों की परीक्षा लेगा। अभी तक जिले में स्थिति यह है कि 50 फीसदी स्कूलों को ही निपुण घोषित किया गया है। शेष स्कूलों के लिए 31 दिसंबर तक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कक्षा एक से लेकर कक्षा तीन तक के विद्यार्थियों के मूल्यांकन का काम होना है। इसके लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ने 70 डीएलएड प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक प्रशिक्षु को प्रतिदिन 72 छात्रों का मूल्यांकन करना है। प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन 500 रुपये मानदेय भी तय किया गया है। साथ ही मोबाइल खर्च और आने जाने का खर्चा भी दिया जाएगा। पहले से तेज विद्यार्थियों की नहीं होगी परीक्षा निपुण अभियान के तहत उन छात्रों की परीक्षा नहीं होगी जो पहले से ही पढ़ाई में अच्छे हैं। इसके लिए प्रशिक्षुओं को स्कूलों की सूची भी दी गई है। पिछले महीनों में हुई निपुण परीक्षा में पाया गया कि 9 फीसदी बच्चों का स्तर बहुत नीचे है। कक्षा-1 से कक्षा-3 तक करीब 49 फीसदी बच्चों ने 90 फीसदी अंक हासिल किए थे। डीएलड प्रशिक्षुओं का इन्हीं छात्रों पर विशेष फोकस रहेगा। इन्हें शिक्षित करने के लिए रोचक तरीकों का प्रयोग होगा। शब्दों को पढ़कर परखेंगे भाषा के प्रशिक्षु कक्षा एक के लिए पांच शब्दों से बना एक वाक्य पढ़ना होगा। जबकि कक्षा-2 के लिए एक मिनट में 45 शब्दों को ठीक से पढ़ना होगा। कक्षा-3 के लिए यह सीमा 60 शब्दों की होगी। अंकी जोड़-घटाव कर परखेंगे गणित के प्रशिक्षु कक्षा एक में एक अंकीय जोड़ और घटाव को करना होगा। कक्षा-2 में दो अंकीय और कक्षा तीन में तीन अंकीय जोड़ और घटाव करना होगा। निपुण सर्वेक्षण के लिए सभी प्रकार की तैयारियां कर ली गई हैं। 10 दिसंबर तक काम पूरा होना है। इसके बाद प्रशिक्षु रिपोर्ट सौंपेंगे - राज सिंह यादव, प्राचार्य डायट

सोसायटियों का कूड़ा कहां डाल रहे बिल्डर व एओए, देना होगा हिसाब

● इसके बाद नगर निगम ने न तो दोबारा नोटिस भेजे और न ही जुमार्ना जमा कराया गया। अब महापौर सनीता दयाल ने नगर सख्ती कर कूड़ा निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

एनटीवी

गाजियाबाद। हाईटेक सिटी समेत शहर की प्राइवेट सोसायटियों से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण बिल्डर या एओए को अपने परिसर में ही करना होगा। कूड़ा निस्तारण करने में दिक्कतों का सामना कर रहे नगर निगम के अधिकारी और महापौर ऐसी सोसायटियों पर सख्ती करेंगे। इन सोसायटियों का औचक निरीक्षण कर कचरा निस्तारण के इंतजामों का निरीक्षण कर देखेंगे कि बिल्डर और एओए कूड़ा कहां डाल रहे हैं। कूड़ा निस्तारण न करने वाली सोसायटियों को नोटिस भेजने के साथ ही एक लाख तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। दरअसल, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2016 के तहत रोजाना 100 किलोग्राम से ज्यादा कूड़ा उत्सर्जित करने वाले प्रतिष्ठानों और सोसायटियों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है। इन्हें अपने प्रतिष्ठान और सोसायटियों के परिसर में ही गीले कचरे का निस्तारण करना होगा। ऐसा न करने पर नगर निगम इन पर जुमार्ना लगा सकता है। तकरीबन डेढ़ साल पहले नगर निगम ने शहर की व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और 91 हाउसिंग सोसायटियों को नोटिस जारी कर कूड़ा निस्तारण के लिए प्लांट लगाने के निर्देश दिए थे। ऐसा न करने वाली सोसायटियों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। इनमें से महज 10 से 12 सोसायटियों और प्रतिष्ठानों ने कूड़ा निस्तारण के इंतजाम किए हैं। इसके बाद नगर निगम ने न तो दोबारा नोटिस भेजे और न ही जुमार्ना जमा कराया गया। अब महापौर सनीता दयाल ने नगर निगम के अधिकारियों को ऐसी सोसायटियों और प्रतिष्ठानों पर सख्ती कर कूड़ा निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। केवल कूड़ा छंटाई का काम कर रहीं सोसायटियां महापौर सुनीता दयाल का कहना है कि उन्हें स्थानीय लोगों से सूचना मिली हैं कि नगर निगम की कार्रवाई से बचने के लिए अधिकांश सोसायटियों ने अपने परिसर में कूड़ा छंटाई का काम शुरू किया है। गीले कचरे को वह रात के समय में चोरी-छिपे नगर निगम के सेकंडरी कूड़ा कलेक्शन सेंटरों और लैंड फिल साइट पर डाल रहे हैं। इससे नगर निगम को प्राइवेट सोसायटियों का कूड़ा निस्तारण मुफ्त में करना पड़ रहा है। जीडीए से एनओसी दिए जान पर भी जताई नाराजगी महापौर सुनीता दयाल का कहना है कि जिन सोसायटियों को जीडीए की ओर से पूर्णता प्रमाण पत्र (कंप्लीशन सर्टिफिकेट) दिया जाता है, उससे पहले निरीक्षण करके देखा जाना चाहिए कि बिल्डर ने कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाया है या नहीं। निरीक्षण की बजाय खानापूर्ति कर बिल्डरों को पूर्णता प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं। इस संबंध में वह जीडीए वीसी से भी वार्ता करेंगी। अधिकारियों के साथ करूंगी औचक निरीक्षण : महापौर महापौर सुनीता दयाल का कहना है कि वह नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से वार्ता कर अधिकारियों की टीम के साथ सोसायटियों का निरीक्षण करेंगी। निरीक्षण के दौरान जिन सोसायटियों में कूड़ा निस्तारण प्लांट नहीं मिलेगा, उन पर जुमार्ना लगाया जाएगा और प्लांट की स्थापना कराई जाएगी। उनका कहना है कि अगर सोसायटियां अपने कूड़े का निस्तारण खुद कर लें तो नगर निगम के ऊपर कचरा निस्तारण का भार नहीं बढ़ेगा और कम जमीन पर ही शहर के कचरे का निस्तारण कराया जा सकेगा।

दिल्ली में अब बढ़ेगा घना कोहरा, अच्छी हवा के लिए करना होगा अभी और इंतजार

● इससे तापमान में गिरावट हो सकती है। सोमवार को दिन में कुछ इलाकों में हल्की बूंदा-बांदी हुई। जबकि शाम सात बजे के बाद कई जगहों तक तेज बारिश दर्ज की गई।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर अदक ल्ल ऊ्रँ ळङ्कॅ : दिल्ली में बीती रात हुई बारिश की वजह से हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सा सुधार देखने को मिला है। कई इलाकों में धुंध की चादर बहुत हल्की नजर आई है। वहीं अभी भी एक्यूआई खराब स्थिति में बना हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में बीती रात हुई बारिश की वजह से मंगलवार सुबह को कई इलाकों की हवा में सुधार हुआ है। बारिश की वजह से मौसम हलका सा साफ हुआ है। सफर के मुताबिक, दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी एक्यूआई खराब स्थिति में है। मंगलवार की सुबह कई लोगों ने बताया कि बीते दिन हुई बारिश की वजह से थोड़ा सुधार हुआ है। साथ ही थोड़ा अच्छा महसूस रह रहे हैं। दिल्ली के लोधी रोड, लाल किया और एम्स में ड्रोन की मदद से कुछ वीडियो लिए गए। जिससे पता चला है कि बारिश की वजह से प्रदूषण धुल गया। दिल्ली में अब बढ़ेगा कोहरा इससे पहले बीते सोमवार की रात को बारिश और उत्तर-पूर्व दिशाओं से आ रही तेज हवाओं से पारा सामान्य से दो डिग्री नीचे गिर गया। मौसम विभाग के मुताबिक, रात 8:30 बजे तक सफदरजंग केंद्र में 7.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, पालम में यह आंकड़ा 2.3 मिमी दर्ज किया गया। पूवार्नुमान है कि वातावरण में नमी की वजह से मंगलवार सुबह घना कोहरा छा सकता है। इससे तापमान में गिरावट हो सकती है। सोमवार को दिन में कुछ इलाकों में हल्की बूंदा-बांदी हुई। जबकि शाम सात बजे के बाद कई जगहों तक तेज बारिश दर्ज की गई। दिल्ली में एक्यूआई दिल्ली के कुछ इलाकों में सोमवार को हुई

बूंदाबांदी के बाद भी प्रदूषण से राहत नहीं मिली। दिल्ली का एक्यूआई 400 के करीब रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में है। वहीं, आधी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी को पार कर गया। आशंका है कि दिल्ली में अगले छह दिन तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में रहेगा। दिल्ली का प्रदूषण स्तर पूरे एनसीआर में सबसे ज्यादा रहा। इतने दिन तक राहत के आसार नहीं भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक सोमवार को प्रमुख सतही हवा 16-04 किमी प्रति घंटे की गति के साथ पूर्वोत्तर-पूर्व दिशाएं से चलीं। सुबह आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर बाद दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। बारिश के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। मंगलवार को हवा की दिशा बदलकर पूर्वोत्तर दिशा से चार किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। मंगलवार को सुबह के समय आंशिक बादल छाए रहेंगे और कोहरा छाया रह सकता है जो प्रदूषण स्तर को बढ़ा सकता है। संस्थान के मुताबिक सोमवार को वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। 30 नवंबर तक वायु गुणवत्ता में कोई सुधार की उम्मीद नहीं और यह बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है।दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 395 दर्ज किया गया है। जबकि गाजियाबाद में 300, ग्रेटर नोएडा में 361, गुरुग्राम में 311, फरीदाबाद में 364 और नोएडा में 334 एक्यूआई दर्ज किया गया। बोर्ड के मुताबिक सोमवार को अलीपुर में एक्यूआई 415, डीटीयू में 402, आईटीओ में 439, आरके पुरम में 415, पंजाबी बाग में 443, नार्थ कैंपस में 407, नेहरू नगर में 422, पटपड़गंज में 401, अशोक विहार में 448, सोनिया विहार में 434, जहांगीरपुरी में 428, रोहिणी में 426, विवेक विहार में 419, नजफगढ़ में 401, ओखला में 404, वजीरपुर में 452, बवाना में 444 और मुंडका में 457 एक्यूआई दर्ज किया गया।

गोपाल राय बोले- बारिश के बाद प्रदूषण में सुधार, अभी दिल्ली-एनसीआर के लोगों को रहना होगा सतर्क

● जिसके बाद दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ दिन पहले दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया था।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली में बारिश के बाद वायु प्रदूषण में आई गिरावट पर पर्यावरण मंत्री गोपल राय ने लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद कुछ राहत जरूरी मिली है।राजधानी दिल्ली में सोमवार को हुई बूंदाबांदी के बाद प्रदूषण से लोगों को हल्की राहत मिली। जिसके बाद दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ दिन पहले दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया था। लेकिन बीते दिन हुई बारिश की वजह से प्रदूषण में थोड़ा सुधार हुआ है। लेकिन अभी भी उतार चढ़ाव जारी रहेगा। मैं दिल्ली एनसीआर के लोगों से सतर्क रहने के लिए अपील करता हूं। कुछ इलाकों में सोमवार को हुई बूंदाबांदी के बाद भी एक्यूआई 400 के करीब रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में है। आधी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी को पार कर गया। आशंका है कि दिल्ली में अगले छह दिन तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में रहेगा। दिल्ली का प्रदूषण स्तर पूरे एनसीआर में सबसे ज्यादा रहा। मंगलवार को हवा की दिशा बदलकर पूर्वोत्तर दिशा से चार किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। दिल्ली में सोमवार को कैसा रहे एक्यूआई सोमवार को आधी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर गंभीर स्तर पर रहा। कई जगहों पर स्थिति खतरनाक रही। यहां प्रदूषण का स्तर 450 को पार कर गया। बोर्ड के मुताबिक सोमवार को अलीपुर में एक्यूआई 415, डीटीयू में 402, आईटीओ में 439, आरके पुरम में 415, पंजाबी बाग में 443, नार्थ कैंपस में 407, नेहरू नगर में 422, पटपड़गंज में 401, अशोक विहार में 448, सोनिया विहार में 434, जहांगीरपुरी में 428, रोहिणी में 426, विवेक विहार में 419, नजफगढ़ में 401, ओखला में 404, वजीरपुर में 452, बवाना में 444 और मुंडका में 457 एक्यूआई दर्ज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

एम्स के कक्ष में तीमारदारों को मिलेंगी सुविधाएं, कुर्सी कम बेड के अलावा कर सकेंगे मोबाइल चार्ज

दिल्ली एम्स स्थित आईसीयू के बाहर मरीजों को होने वाली समस्याओं से संबंध में एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन लगातार अस्पताल प्रशासन से सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कह रहा था... दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) में दाखिल मरीजों के तीमारदारों को अब आईसीयू के बाहर रुकने में परेशानी नहीं होगी। इसके लिए बकायदा एम्स प्रशासन ने पिछले हफ्ते एक आदेश जारी कर तीमारदारों (अटेंडेंट्स) के आईसीयू से बाहर रहने और अपने मरीजों की सेहत की जानकारी के लिए जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अब देश के सभी एम्स और उनके जैसे केंद्रीय अस्पतालों में आईसीयू के बाहर मरीजों के परिजनों की सुविधा के लिए दिल्ली एम्स जैसी सुविधाओं को शुरू करने के लिए कहा है। इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों की एक बैठक हुई।

दिल्ली एम्स स्थित आईसीयू के बाहर मरीजों को होने वाली समस्याओं से संबंध में एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन लगातार अस्पताल प्रशासन से सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कह रहा था। एम्स आरडीए के अध्यक्ष डॉक्टर विनय कहते हैं कि आईसीयू के बाहर मरीजों के परिजनों के बैठने से लेकर उनके रहने और मरीज का हाल-चाल जानने तक में समस्याएं होती थीं। इसे लेकर तीमारदारों के व्यवस्थित तरीके से आईसीयू के बाहर रहने और उनको बेहतर सुविधा मिले, इसके लिए वह लगातार एम्स प्रशासन से गुजारिश कर रहे थे। बीते सप्ताह एम्स डायरेक्टर ने आईसीयू के बाहर बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करने का आदेश दिया। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों के साथ देश के सभी एम्स के निदेशक और प्रशासनिक अधिकारियों की एक अहम बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में अस्पतालों में बेहतर इलाज के साथ-साथ मरीजों और तीमारदारों की सुविधाओं के संबंध में विषय निर्देश जारी किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक जिन अस्पतालों में नए विभागों को शुरू किया जाना है, उनके बारे में भी चर्चा की गई। इसके अलावा अस्पतालों में दिल्ली एम्स की तर्ज पर आईसीयू के बाहर मरीजों के तीमारदारों के लिए व्यवस्थित उपाय किए जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। दरअसल देश के अलग-अलग हिस्सों में बनाए गए एम्स में अभी भी कई विभागों की शुरूआत होनी है। इसके अलावा विभागों में चिकित्सकीय सेवाओं का विस्तार भी किया जाना है।

जिससे होनी थी शादी... उसका ऑफिस में बुलाकर कत्ल, फिर प्लास्टिक के बैग में पैक की लाश; वजह चौंकाने वाली

दिल्ली-एनसीआर

शाहदरा पुलिस ने फर्श बाजार इलाके में युवती की हत्या की गुत्थी सुलझा दी है। पुलिस ने खासी मशक्कत के बाद युवती के प्रेमी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मिलने की बात कहकर युवती को अपने दफ्तर बुलाया था। प्रेमिका पर किसी और लड़के से बात करने का संदेह था। ऑफिस में गला दबाकर युवती की हत्या कर दी। इसके बाद शव को एक प्लास्टिक के बैग में पैक करके फरार हो गया। दिल्ली के शाहदरा जिला के फर्श बाजार इलाके में युवती शमा (23) हत्या कर शव को प्लास्टिक के कट्टे में डालने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में युवती के प्रेमी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है।

कई इलाकों में जल आपूर्ति रहेगी बाधित, कहीं आपका इलाका तो इसमें शामिल नहीं

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर डीजेबी ने लोगों को आपात स्थिति के लिए पानी के टैंकर लेने के अनुरोध किया है। डीजेबी ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए कुछ नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि इन क्षेत्रों में पानी की समस्या आने पर टैंकर मंगाया जा सके। पश्चिमी दिल्ली में बुधवार को पानी की किल्लत हो सकती है। इस दौरान दिल्ली जल बोर्ड की मुख्य लाइन को जोड़ने का काम किया जाएगा। ऐसे में अनुमान है कि बुधवार सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। बोर्ड से मिली जानकारी के मुताबिक, केशोपुर ड्रेन और पीरागढ़ी चौक (रोहतक रोड) की पाइपलाइन को जोड़ने का काम किया जाना है। इस कारण बुधवार शाम से बृहस्पतिवार की सुबह तक पानी का प्रेशर कम रहेगा। बोर्ड के मुताबिक रोहिणी सेक्टर- 7, 8,

9, 11, 13, 22, 23 और 25, मधुबन चौक, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, जीएच-19 पश्चिम विहार, मेजर भूपेन्द्र सिंह नगर, महावीर नगर, कृष्णा पार्क, जनकपुरी समेत इनके आसपास के क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। डीजेबी ने लोगों को आपात स्थिति के लिए पानी के टैंकर लेने के अनुरोध किया है। डीजेबी ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए कुछ नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि इन क्षेत्रों में पानी की समस्या आने पर टैंकर मंगाया जा सके। इसमें डी-ब्लॉक जनकपुरी (28521123), नांगलोई (एनडब्ल्यूएस) (18001217744), होलंबी कलां (27700231), मंगोलपुरी (20873096), पश्चिम विहार (25281197) और सेंट्रल कंट्रोल रूम (1916, 23513073) पर संपर्क पर आपात स्थिति से पानी के टैंकरों का अनुरोध किया जा सकता है।

खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला के गुर्गों को रिमांड पर भेजा, पुलिस से हुई थी मुठभेड़

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर कनाडा गैंगस्टर अर्शदीप सिंह उर्फ डल्ला के सहयोगियों को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। वहीं दूसरी तरफ मुठभेड़ में घायल वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। दिल्ली के मयूर विहार इलाके में हुई मुठभेड़ के बाद मंगलवार को गैंगस्टर से आतंकी बने अर्शदीप सिंह उर्फ डल्ला के सहयोगियों और शूटरों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल से मिली जानकारी के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह डल्ला के सहयोगी राजप्रीत सिंह उर्फ राजा उर्फ बम्ब, सचिन भाटी, अर्पित और सुनील प्रधान को चार दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया गया। मुठभेड़ में घायल वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी को दो

दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। बीते रविवार की आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से मयूर विहार का इलाका गूंज उठा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर से आतंकी बने अर्शदीप सिंह उर्फ डल्ला के दो शूटरों को घेर लिया था। खुद को फंसता देख दोनों शूटरों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी। पुलिस की गोलीबारी में एक शूटर की टांग में गोली लगी थी। जिससे वह घायल हो गया था। बाद में घायल शूटर को एलबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के बाद दोनों की छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से हथियार और सामान बरामद पकड़े गए आरोपियों की पहचान पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव गिल निवासी राजप्रीत सिंह उर्फ राजा उर्फ बम (25) और वीरेंद्र सिंह उर्फ विम्मी (22) के रूप में हुई। गोली वीरेंद्र को लगी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, रिवाल्वर, 13 कारतूस, एक हैंड ग्रेनेड और बाइक बरामद की है। पंजाबी गायक एनी मंगत की हत्या की थी साजिश पुलिस की पूछताछ में आरोपी राजप्रीत और वीरेंद्र ने खुलासा किया है कि उनको अर्शदीप उर्फ डल्ला की ओर से पंजाब के मशहूर सिंगर एनी मंगत की हत्या का आदेश मिला था। इसके लिए दोनों ने अक्तूबर में प्रयास भी किया था, लेकिन खुशकिस्मती से एनी मंगत अपने घर पर मौजूद नहीं था। नों पहले भी क वारदात में शामिल रहे हैं।कौन हैं पकड़े गए दोनों आरोपी शूटर राजप्रीत अर्शदीप उर्फ डल्ला का बेहद करीबी शूटर है।

सेंधमारी कर घरों में आग लगाने वाला बदमाश गिरफ्तार

● उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। किशोर रहते पुलिस उसे कई बार पकड़ चुकी है, लेकिन वह बाल सुधार गृह से भाग जाता था।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर पुलिस अधिकारी ने बताया कि 10 साल की उम्र में ही बदमाश ने पहली बार आपराधिक वारदात को अंजाम दिया था। वह पांचवीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। किशोर रहते पुलिस उसे कई बार पकड़ चुकी है, लेकिन वह बाल सुधार गृह से भाग जाता था। आरके पुरम थाना पुलिस ने सेंधमारी करने के बाद घरों में आग लगाकर सबूत मिटाने वाले सेंधमार को गिरफ्तार किया है। मूलतः बुलंदशहर का रहने वाले बदमाश पर 80 से अधिक मामले दर्ज हैं। एक पखवाड़ा पहले ही बदमाश जेल से बाहर निकला था और आधा दर्जन से अधिक वारदात को अंजाम दे चुका है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी से सात मामले सुलझाने का दावा किया है। आरोपी की पहचान संजय शर्मा के रूप में हुई है। वह मूलतः बुलंदशहर के पिलंजी टाउन सियाना गांव का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से वसंत विहार सब-डिवीजन में सेंधमारी, झपटमारी और चोरी की कई घटनाएं सामने आई थी। आरके पुरम के थाना प्रभारी रविंद्र कुमार त्यागी के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त के साथ साथ बैरिकेडिंग लगाकर जांच पड़ताल शुरू की। 25 नवंबर को पुलिस टीम को एक बदमाश के बाइक से इलाके में आने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने सेक्टर-1 आरके पुरम के पास बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम ने एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने के लिए कहा। लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। हवलदार अशोक कुमार और सिपाही जसवीर ने थोड़ी मशक्कत के बाद बदमाश को पकड़ लिया। उसके पास एक बैग मिला, जिसमें चाकू, आयरन पंच, एयर पिस्टल, एक पैकेट लाल मिर्च पाउडर मिला। बदमाश की पहचान संजय शर्मा उर्फ दरिंदा उर्फ महाकाल उर्फ संजू उर्फ सतीश के रूप में हुई। जांच में पता चला कि बदमाश पर दिल्ली के विभिन्न पुलिस थानों में 80 से अधिक मामले दर्ज हैं। बाल सुधार गृह से कई बार हुआ फरार पुलिस अधिकारी ने बताया कि 10 साल की उम्र में ही संजय ने पहली बार आपराधिक वारदात को अंजाम दिया था। वह पांचवीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। किशोर रहते पुलिस उसे कई बार पकड़ चुकी है, लेकिन वह बाल सुधार गृह से भाग जाता था। वह सात साल में पांच से अधिक बार बाल सुधार गृह से भाग चुका है। उसने किशोरावस्था में कई तरह के अपराध को अंजाम दिया। अपने शरीर पर गुदवा रखे हैं तीन टैटू पुलिस अधिकारी ने बताया कि बदमाश ने अपने शरीर पर तीन टैटू बनवा रखे हैं। उसने अपने शरीर पर डेंजर, दरिंदा और महाकाल नाम का टैटू बना रखा है। किशोर अवस्था में उसने नाबालिगों का एक गैंग बनाया। उसने अपने गैंग का नाम बर्गल-एंड-बर्न गैंग रखा। गैंग के बदमाश घरों में लूटपाट करते थे और सबूत मिटाने के लिए घरों में आग लगा देते थे।

सोमनाथ भारती की जेब से निकाला फोन, पकड़ने पर समर्थक को मारा ब्लेड

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर आरोपी की पहचान हजरत निजामुद्दीन निवासी करन के रूप में हुई है। वह बेघर है। उसके खिलाफ पहले से चोरी और झपटमारी के तीन मामले दर्ज हैं। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती के साथ एक युवक ने झपटमारी का प्रयास किया। आरोपी ने उनकी जेब से मोबाइल निकाला और भागने लगा। शोर मचाने पर भीड़ आरोपी के पीछे भागी तो उसने ब्लेड निकालकर एक समर्थक को जख्मी कर दिया। फौरन आरोपी को काबू कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। विधायक की शिकायत

पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान हजरत निजामुद्दीन निवासी करन के रूप में हुई है। वह बेघर है। उसके खिलाफ पहले से चोरी और झपटमारी के तीन मामले दर्ज हैं। दक्षिण जिला की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि सोमवार को मालवीय नगर के विधायक सोमनाथ भारती ने फोन कर अपने साथ हुई वारदात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को वह गुरु नानक जयंती के मौके पर एरिया के जी-ब्लॉक स्थित झूलेलाल मंदिर में अपने समर्थकों के साथ प्रार्थना के लिए जा रहे थे।

एलजी ने 'आप' सरकार को दिया झटका, आपराधिक मामलों के लिए गठित स्थायी समिति को किया भंग

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर इस समिति में स्थायी और अतिरिक्त स्थायी वकील को जगह दी गई थी। इन्हें समिति का अध्यक्ष और सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। उपराज्यपाल कार्यालय के मुताबिक यह साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के निदेर्शों का उल्लंघन है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आपराधिक मामलों में जांच की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए गठित मौजूदा स्थायी समिति को भंग कर दिया। इस समिति को आप सरकार ने गठित किया था। इस समिति में स्थायी और अतिरिक्त स्थायी वकील को जगह दी गई थी। इन्हें समिति का अध्यक्ष और सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। उपराज्यपाल कार्यालय के मुताबिक यह साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के निदेर्शों का उल्लंघन है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने सात जनवरी 2014 को गुजरात राज्य बनाम किशन भाई के मामले में एक निर्देश दिया था। इसमें कहा गया था कि प्रत्येक राज्य का गृह विभाग पुलिस और अभियोजन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक स्थायी समिति का गठन करें। इन्हें जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी जाए। यह आपराधिक मामले में बरी करने के सभी आदेश और प्रत्येक मामले में अभियोजन की विफलता का कारण दर्ज करेगा। आप सरकार ने इस आदेश

की अवहेलना करते हुए स्थायी वकील और अतिरिक्त स्थायी वकील को इसमें जगह दी। इससे टकराव की स्थिति बनी जो सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का मूल उद्देश्य पूरा नहीं करता। इसे देखते हुए एलजी ने इस समिति को भंग करते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव - प्रमुख सचिव (गृह) को अध्यक्ष और प्रमुख सचिव (कानून), निदेशक (अभियोजन) और विशेष पुलिस आयुक्त को सदस्य बनाकर स्थायी समिति के पुनर्गठन को मंजूरी दी। उपराज्यपाल ने जताई थी आपत्ति उपराज्यपाल का कहना है कि इससे पहले भी समय-समय पर दिल्ली उच्च न्यायालय के स्थायी वकील (आपराधिक) की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति और अतिरिक्त स्थायी वकील को सदस्य के रूप में बनाए रखने में हितों के इस टकराव पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना है कि इस मामले में सत्तारूढ़ व्यवस्था का ढुलमुल रवैया पुलिस और अभियोजन अधिकारियों के सेवा मामलों को नियंत्रित करने का प्रयास दिख रहा है। जबकि दिल्ली सरकार के कार्यकारी क्षेत्र में यह नहीं आता है। इस कोशिश की मदद से सरकार अप्रत्यक्ष रूप से काम करने की कोशिश कर रही होगी। गृहमंत्रालय ने जारी की थी सलाह आपराधिक मामलों में बरी होने वालों की संख्या को कम करने के लिए गृह मंत्रालय ने 24 मार्च 2014 को एक सलाह जारी की थी। इसमें जांच अधिकारियों के साथ-साथ अभियोजन अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन सुनिश्चित करने के लिए कहा था। इसमें कहा गया था कि गृह विभाग मामले के विश्लेषण के लिए पुलिस और अभियोजन निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों की एक स्थायी समिति का गठन करेगा। साथ ही जांच या अभियोजन, या दोनों के दौरान हुई गलतियों का पता लगाएगा।

चीन में फैले माइकोप्लाज्मा निमोनिया से हमें डरने की जरूरत नहीं', विशेषज्ञों ने सतर्क रहने की दी सलाह

● उस समय स्थिति गंभीर भी हुई थी, लेकिन बच्चे उसकी चपेट में आकर ठीक हो चुके हैं। माइको प्लाज्मा निमोनिया भी उसी से मिलता जुलता है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय की पूर्व निदेशक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.उर्मिला झांब ने बताया कि चीन में बच्चों को हो रहे निमोनिया को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने माइको प्लाज्मा निमोनिया बताया है। यह भारत में पहले भी होता रहा है, ऐसे में चीन जैसी महामारी होने की स्थिति भारत में कम है। चीन में महामारी की तरह फैल रहे माइको प्लाज्मा निमोनिया से भारत के लोगों को डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में बच्चे कोरोना महामारी के बाद कई तरह के वायरस की चपेट में आए हैं। उन वायरस के खिलाफ रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी विकसित हो गई है। जबकि चीन में लंबे समय तक लॉकडाउन रहा, जिसे सख्ती से लागू किया गया। यही वजह है कि चीन के बच्चों में वायरस के बदले स्वरूप के खिलाफ रोग-प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं हो पाई। चीन में वायरस

का यही बदला स्वरूप बच्चों को गंभीर कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में एडिनो वायरस ने बच्चों को संक्रमित किया था। बड़ी संख्या में बच्चे इसकी चपेट में आए थे। उस समय स्थिति गंभीर भी हुई थी, लेकिन बच्चे उसकी चपेट में आकर ठीक हो चुके हैं। माइको प्लाज्मा निमोनिया भी उसी से मिलता जुलता है। ऐसे में पूरी संभावना है कि बच्चों में इसे प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता हो। बावजूद इसके विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय की पूर्व निदेशक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.उर्मिला झांब ने बताया कि चीन में बच्चों को हो रहे निमोनिया को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने माइको प्लाज्मा निमोनिया बताया है। यह भारत में पहले भी होता रहा है, ऐसे में चीन जैसी महामारी होने की स्थिति भारत में कम है। चीन में कोरोना महामारी के बाद सख्ती से लॉकडाउन लगाया। जिस कारण उनके बच्चों में वायरस का एक्सपोजर कम रहा, जबकि भारत में यह काफी ठीक था। देश में एडिनो वायरस फैला था जिसने बच्चों को काफी गंभीर किया। यह भी उसी से मिलता जुलता है। ऐसे में वायरस के प्रति एक्सपोजर से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। फिर भी हमें विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। हमें अपनी इम्यूनिटी को मजबूत करना होगा। पिछले कुछ माह से वायरल फीवर भी परेशान कर रहा है। ऐसे में जिन बच्चों की इम्यूनिटी बेहतर रहेगी। उन्हें समस्या कम होने की संभावना है। करना होगा अध्ययनएम्स में मेडिसिन विभाग के डॉ. पीयूष रंजन ने कहा कि चीन में फैले वायरस के बारे में गहन अध्ययन की जरूरत है। इस वायरस के प्रभाव और होने वाली दिक्कत पर नजर रखी गई है। लगातार चीन के मामलों को देखा जा रहा है। इस बारे में पूरी जानकारी हासिल होने के बाद भी कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा। आज होगी बैठक चीन में फैले निमोनिया को लेकर दिल्ली के अस्पतालों में मंगलवार बैठक होनी है। इस निमोनिया को लेकर केंद्र सरकार ने सलाह जारी कर दी है। इस सलाह के तहत अस्पतालों में उपचार सहित अन्य की व्यवस्था करनी है। इस बारे में लोक नायक अस्पताल के निदेशक डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि मंगलवार को इस बारे में डॉक्टरों के साथ उच्च स्तरीय बैठक होनी है। बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा होने के बाद उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी। 8-12 साल के बच्चों का रखें खास ध्यानविशेषज्ञों का कहना है कि आठ से 12 साल की उम्र के बच्चों को विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। चीन में माइको प्लाज्मा निमोनिया स्कूल जाने वाले बच्चों को प्रभावित कर रहा है। इसमें बच्चों को लंबे समय तक बुखार, बलगम आना सहित अन्य परेशानी दिख रही है। मौजूदा समय में वायरल भी बच्चों को परेशान कर रहा है। वायरल के वायरस के बदले रूप ने बच्चों को एक माह तक परेशान किया है। कई बच्चे लंबे समय तक परेशान हो रहे हैं।

इस त्योहारी सीजन धड़ाधड़ बिकीं गाड़ियां, गांव-देहात में हुई जमकर खरीदारी, FADA ने जारी किए आंकड़े

एनटीवी

डीलरों के संगठन ऋअउऊअ ने मंगलवार को कहा कि मजबूत मांग के कारण भारत में ऑटोमोबाइल रिटेल सेल इस त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है इस साल 42 दिनों की त्योहारी अवधि में कुल ऑटोमोबाइल बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 3793584 यूनिट हो गई जबकि पिछले साल ये आंकड़ा 3195213 यूनिट था। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

इस त्योहारी सीजन जबरदस्त सेल हुई है।

डीलरों के संगठन FADA ने मंगलवार को कहा कि मजबूत मांग के कारण भारत में ऑटोमोबाइल रिटेल सेल इस त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है, जिसमें ट्रैक्टर को छोड़कर सभी सेगमेंट में साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई है।

बिक्री ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

इस साल 42 दिनों की त्योहारी अवधि में कुल ऑटोमोबाइल बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 37,93,584 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल ये आंकड़ा 31,95,213 यूनिट था।

इस अवधि के दौरान, जो नवरात्रि के पहले दिन से शुरू होती है और धनतेरस के 15 दिन बाद समाप्त होती है, पैसेंजर वाहन की रिटेल सेल बढ़कर 5,47,246 यूनिट हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4,96,047 यूनिट से 10 प्रतिशत अधिक है।

ऋअउऊअ ने जारी किए आंकड़े

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (ऋअउऊअ) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, ₹नवरात्रि के दौरान शुरुआती खराब प्रदर्शन के बावजूद, विशेष रूप से यात्री वाहन क्षेत्र में, दिवाली तक स्थिति में सुधार हुआ और 10 प्रतिशत की विकास दर के साथ समाप्त हुई।₹ उन्होंने कहा कि त्योहारी अवधि के दौरान स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों की मांग सबसे अधिक रही। सिंघानिया ने आगे कहा कि पैसेंजर वाहनों के लिए इन्वेंट्री स्तर एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि ओईएम आगे डिस्पैच पर जोर दे रहे हैं, इस प्रकार इन्वेंट्री रेट सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब बनी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों का अहम योगदान

मनीष राज सिंघानिया ने कहा, ₹कई श्रेणियों में रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों ने विशेष रूप से दोपहिया वाहनों की खरीद में वृद्धि में योगदान दिया।₹ 42 दिनों की अवधि में कमर्शियस वाहन की बिक्री साल-दर-साल 8 प्रतिशत बढ़कर 1,23,784 यूनिट हो गई। इस साल उत्सव की अवधि 15 अक्टूबर को शुरू हुई और 25 नवंबर को समाप्त हुई। पिछले साल, यह 26 सितंबर से 6 नवंबर के बीच फैली थी।

FADA ने कहा कि उसने 1,442 फ्ळड में से 1,355 से वाहन पंजीकरण डेटा एकत्र किया है। FADA India पूरे भारत में 30,000 से अधिक डीलरशिप आउटलेट वाले 15,000 से अधिक ऑटोमोबाइल डीलरशिप का प्रतिनिधित्व करता है।

न्यू जेनरेशन Renault Duster कब तक होगी लॉन्च? यहां मिलेगा सभी सवालों का जवाब

नइ डस्टर को रेनो की यूनिट डेसिया ने नए सीएमएफ-बी मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर डेवलप किया है। उम्मीद है कि फ्रांसीसी कार निमार्ता भारत में डस्टर एसयूवी को भी फिर से लॉन्च करेगी। हालांकि भारतीय सड़कों पर आने में इसे कुछ और साल लग सकते हैं। इसको लेकर कंपनी ने अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी भी नहीं दी है। इस साल की शुरुआत में, रेनॉल्ट-निसान गठबंधन ने भारत में 6 इनोवेटिव मॉडलों के विकास, निर्माण, बिक्री और निर्यात के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी रणनीति का अनावरण किया। इस व्यापक योजना में चार एसयूवी शामिल हैं, जिनमें 5 और 7-सीटर कॉन्फि गरेशन में बहुप्रतीक्षित नई पीढ़ी की रेनॉल्ट डस्टर, साथ ही डस्टर प्लेटफॉर्म पर आधारित निसान की एसयूवी शामिल हैं।

बहुत से लोग Renault Duster की लॉन्चिंग टाइमलाइन के बारे में जानना हैं, जिसका जवाब आपको नीचे मिलने वाला है।

कल होगी पुर्तगाल में पेश

न्यू जेनरेशन Renault Duster और निसान की नई एसूवी के अलावा लाइनअप में दो ए-सेगमेंट इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। प्रशंसित डेसिया बिगस्टर एसयूवी के आधार पर, आगामी रेनॉल्ट डस्टर 29 नवंबर, 2023 को पुर्तगाल में अपनी विश्व शुरुआत के लिए तैयार है, जिसका बाद में साल 2025 तक इंडियन मार्केट में लॉन्च किया जाएगा। कुल मिलकार अपकमिंग Renault Duster डेसिया के नाम से 2025 तक भारत में आएगी।

लुक और डिजाइन ?

नइ डस्टर को रेनो की यूनिट डेसिया ने नए सीएमएफ-बी मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर डेवलप किया है। उम्मीद है कि फ्रांसीसी कार निमार्ता भारत में डस्टर एसयूवी को भी फिर से लॉन्च करेगी। हालांकि, भारतीय सड़कों पर आने में इसे कुछ और साल लग सकते हैं। इसको लेकर कंपनी ने अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी भी नहीं दी है।

2012 में भारत में हुई थी लॉन्च

आपको बता दें कि Renault Duster को पहली बार 2012 में एक कॉम्पैक्ट एसयूवी के रूप में भारत में लॉन्च किया गया था। यह उस श्रेणी के पहले मॉडलों में से एक थी, जिसमें कुछ वर्षों तक हुंडई क्रेटा और अन्य जैसे मॉडल नहीं देखे गए थे। हालांकि, घटती बिक्री के आंकड़ों के कारण रेनो को पिछले 10 वर्षों से बिक्री पर रहने के बाद पिछले साल अप्रैल में डस्टर एसयूवी को बंद करना पड़ा।

नौसिखिये कार ड्राइवर्स गाड़ी को मेंटेन रखनें के लिए जरूर करें ये काम

नई दिल्ली। अगर आपने अभी हाल ही में अपनी लाइफ की पहली कार खरीदी है या फिर आपने अभी नई नई ड्राइविंग सीखी है तो आपके लिए ये खबर काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। क्योंकि इस खबर के माध्यम से हम आपको बताने जा रहे हैं उन कार मेंटेनेंस टिप्स के बारे में जिसको बिगनर्स का जरूर फॉलो करना चाहिए ताकि गाड़ी सालों साल चमकती तो रहे ही साथ ही साथ उसके मेंटेनेंस में कम खर्च हो।

वाहन मैनुअल को जरूर पढ़ें

अगर आप बिगनर हैं तो आपको सबसे पहले गाड़ी के मैनुअल के बारे में जानना जरूरी। ऑनर मैनुअल में गाड़ी से संबंधित कई जानकारी दी गई होती है, जिसमें सही इंजन ऑयल के इस्तेमाल से लेकर क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए इसके बारे में बताया गया होता है। इसलिए आप व्हीकल ऑनर मैनुअल को जरूर पढ़ें।

क्लच का न करें ज्यादा इस्तेमाल

नई कार ड्राइवर्स हमेशा क्लच का सही इस्तेमाल नहीं करते हैं, वो बार-बार क्लच का इस्तेमाल करते हैं, जिससे गाड़ी के इंजन पर असर पड़ता है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि गाड़ी को मेंटेन रखने के लिए जरूरत के अनुसार ही क्लच को दबाएं। अच्छे माइलेज और लो-मेंटेनेंस के लिए क्लच का यूज बहुत ही सोच-समझ कर करना चाहिए। बहुत से लोगों की आदत होती है कि वो बार ट्रैफिक सिग्नल पर या भीड़-भाड़ वाले एरिया में क्लच दबाकर कर गाड़ी को खड़ा रखते हैं। इतना ही नहीं कई लोग हल्का पैर क्लच पर रख कर कार चलाते हैं, जो ड्राइविंग का एक गलत तरीका है, इससे कार की क्लच प्लेटें जल्दी घिसने के साथ मेंटनेंस बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

इंजन ऑयल को समय पर बदलें

अगर कार में लंबे समय से इंजन ऑयल नहीं बदलवाया है तो उसे भी बदलवा लें, नहीं तो पुराने इंजन ऑयल के जम जाने की वजह से कार स्टार्ट होने में दिक्कत दे सकती है। याद रहे इंजन ऑयल कार के लिए बेहद आवश्यक होता है इसलिए कार के इंजन को पावर देने के लिए हमेशा अच्छी कंपनी का ही ऑयल डालें।

बैटरी का रखें ध्यान

गाड़ी के बैटरी का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। मैल , गंदगी या नमी जैसी चीजे कार के बैटरी पर पड़ जाती है जिसका असर इसपर बुरा पड़ता है। इनसे बैटरी की केसिंग में रिसाव हो सकता है। जिसके कारण बैटरी खराब हो सकती है। इसलिए कार की बैटरी को समय -समय पर जांचते रहना चहिए।

रोजाना इन बातों का रखें ध्यान

उपर बताए गए टिप्स के अलावा और भी चीजें आपके लिए अहम हैं। जब भी आप दिन में पहली बार गाड़ी स्टॉर्ट करते हैं तो आप गाड़ी स्टॉर्ट करने से पहले एक बार गाड़ी के चारों तरफ जरूर चक्कर काटें, जहां आपका ध्यान गाड़ी के चारो टायरों, बोनट और एयर प्रेशर पर होना जरूरी है। इससे आपको पता होगा कि आपके गाड़ी की कंडिशन सही है या नहीं। इससे आपकी गाड़ी बीच रास्ते में धोखा नहीं देगी।

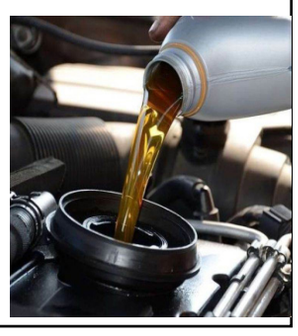

बेहतरीन Boot Space के साथ आती हैं ये टॉप-5 SUVs, खरीदने से पहले जरूर देखें लिस्ट

नई दिल्ली। देश का मौसम करवट ले रहा है ऐसे में अगर आप छुट्टियां मनाने के लिए एक कार ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो ये लेख आपके काम का है। अपने इस लेख में हम आपके लिए ऐसी कारों की लिस्ट लेकर आए हैं, जो भारतीय कार बाजार में बेहतरीन कारगो स्पेस के साथ उपलब्ध हैं। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Skoada Kushaq और Volkswagen Taigun को एक ही प्लेटफॉर्म पर निर्मित किया गया है और इनके डायमेंशन भी समान हैं। ग्लोबल एनकैप में 5-स्टार पाने वाली ये रव२२ 385 लीटर बूट स्पेस के साथ आती हैं। अगर आप 3 से 4 लोगों के एक छोटे परिवार के लिए एक एसयूवी कार खरीदना चाहते हैं, तो ये आपके लिए बेहतर विकल्प होने वाली हैं।

मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में Hyundai Creta और Kia Seltos बेहतर प्रदर्शन कर रही है। बेहतरीन लुक और फीचर्स के साथ कोरियन कार निमार्ताओं की ये दोनों रव२२ 433 लीटर बूट स्पेस के साथ आती हैं। इन एसयूवी में 4 लोग आराम से बैठकर यात्रा कर सकते हैं।

Tata Harrier को हाल ही में नए अपडेट के साथ पेश किया गया है। अगर आप बेहतर स्पेस वाली एक डीजल एसयूवी की तलाश कर रहे हैं, तो ये आपके लिए एक बेहतर विकल्प होने वाली है। Harrier SUV में 455 लीटर का कार्गो स्पेस मिलता है।

Mahindra Scorpio-N बेहतरीन बूट स्पेस के साथ 7-सीटर कॉन्फिगरेशन में भी उपलब्ध है। स्कॉर्पियो-एन एक ऐसा विकल्प है, जिसमें बैठने की जगह की तीसरी रो भी है। थर्ड रो की सीटों को नीचे की ओर मोड़कर आप 460 लीटर का भरपूर बूट स्पेस निकाल सकते हैं।

MG Astor एक फीचर से भरपूप और सेफ एसयूवी है। हालांकि, भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में इसे बहुत सीमित लोगों ने ही खरीदा है।

Kia Seltos की कीमतों में 2 हजार रुपये की कटौती, इन चुनिंदा वेरिएंट्स की घटी कीमतें

इसमें ग्राहकों को तीन इंजन विकल्प मिलता है। इसका पहला इंजन 1.5 लीटर वाला नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन है जो 114ँस्र की पावर जनरेट करता है। दूसरा इंजन 1.4 लीटर टबोर्चार्ज्ड पेट्रोल इंजन जो 138ँस्र की पावर जनरेट करने में सक्षम है। इसका तीसरा इंजन विकल्प 1.5 लीटर वाला टर्बो-डीजल यूनिट है जो 114ँस्र की पावर के साथ आता है।

नई दिल्ली। क्या आप भी किआ सेल्टोस खरीदने का प्लान बना रहे हैं ? अगर हां तो आपको लिए खुशखबरी है, क्योंकि कंपनी सेल्टोस के कुछ चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में कटौती की है। आइये जानते हैं अब किआ सेल्टोस की कीमतों में कितनी कटौती देखने को मिलेगी।

Kia Seltos

किआ ने सेल्टोस की कीमतों में संशोधन किया है। एसयूवी के चुनिंदा वेरिएंट की कीमत में 2,000 रुपये की मामूली कटौती की गई है। 1.5L पेट्रोल MT HTX, 1.5L टर्बो पेट्रोल iMT HTX+, 1.5छ टर्बो पेट्रोल DCT GT+(र) और 1.5L टर्बो पेट्रोल DCT GT+ की कीमतों में 2,000 रुपये की कटौती की गई है।

कितना दमदार है इसका इंजन ?

इसमें ग्राहकों को तीन इंजन विकल्प मिलता है। इसका पहला इंजन 1.5 लीटर वाला नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन है , जो 114hp की पावर जनरेट करता है। दूसरा इंजन 1.4 लीटर टबोर्चार्ज्ड पेट्रोल इंजन, जो 138hp की पावर जनरेट करने में सक्षम है। इसका तीसरा इंजन विकल्प 1.5 लीटर वाला टर्बो-डीजल यूनिट है जो 114hp की पावर के साथ आता है। इन तीनों इंजनों को मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्प भी मिलते हैं।

2019 में पहली बार हुई थी लॉन्च

आज से चार साल पहले सेल्टोस ने ग्लोबल एंट्री मारी थी। इस एसयूवी को प्रीमियम ड्राइविंग अनुभव की तलाश कर रहे समझदार और आधुनिक सोच वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया था। 'मेक इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड' की दूरदर्शी सोच के साथ पेश की गई, सेल्टोस ने डिजाइन, पर्फोर्मेंस और टेक्नोलॉजी के अपने बेजोड़ संगम के साथ बाजार में क्रांति लाते हुए, एसयूवी सेगमेंट में खुद को एक गेम-चेंजर के रूप में स्थापित किया है।

Bajaj Pulsar N160 का single-channel अइर वेरिएंट हुआ बंद, जानिए क्या है इसके पीछे की वजह

एक तरह से कंपनी का ये कदम निश्चित रूप से स्वागत योग्य है क्योंकि अधिक ग्राहक Bajaj Pulsar N160 के डुअल चैनल एबीएस वेरिएंट को खरीदना पसंद करते हैं जो निस्संदेह अधिक सुरक्षित है। डुअल-चैनल एबीएस मोटरसाइकिल में बेहतर स्टॉपिंग पावर है और ये पैनिक ब्रेकिंग के दौरान बेहतर प्रदर्शन करती है।

नई दिल्ली। Bajaj Auto ने देश में Pulsar N160 सिंगल-चैनल अइर वेरिएंट को चुपचाप बंद कर दिया है। बजाज डीलरशिप ने इसके बंद होने का कारण उपरोक्त वेरिएंट की कम मांग बताया है। आपको बता दें कि Bajaj Pulsar N160 अब केवल डुअल-चैनल अइर वेरिएंट में उपलब्ध होगी और इसकी कीमत 1.31 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

एक तरह से कंपनी का ये कदम निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, क्योंकि अधिक ग्राहक Bajaj Pulsar N160 के डुअल चैनल एबीएस वेरिएंट को खरीदना पसंद करते हैं, जो निस्संदेह अधिक सुरक्षित है। दोनों वेरिएंट के बीच कीमत का अंतर मात्र 5,000 रुपये था, जिसने खरीदारों को मामूली प्रीमियम खर्च करने और बाद वाले वेरिएंट को खरीदने के लिए प्रेरित किया होगा।

यह भी पढ़ें- नौसिखिये कार ड्राइवर्स गाड़ी को मेंटेन रखनें के लिए जरूर करें ये काम

डुअल-चैनल एबीएस मोटरसाइकिल में बेहतर स्टॉपिंग पावर है और ये पैनिक ब्रेकिंग के दौरान बेहतर प्रदर्शन करती है।

पल्सर एन160 इस सेगमेंट की पहली मोटरसाइकिल थी, जिसमें पिछले साल लॉन्च के समय विकल्प के रूप में डुअल-चैनल एबीएस मिला था।

Bajaj Pulsar N160 का इंजन

बजाज पल्सर ठ160 में कोई अन्य बदलाव नहीं हैं और बाइक 164.82 सीसी सिंगल-सिलेंडर, ऑयल-कूल्ड मोटर से बिजली खींचती रहती है, जो 8,750 आरपीएम पर 15.6 बीएचपी और 6,750 आरपीएम पर 14.65 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करती है।इस इंजन को 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

स्पेसिफिकेशन

बाइक के फ्रंट में 37 मिमी ट्रैवल के साथ टेलिस्कोपिक फोर्क्स और पीछे 31 मिमी ट्रैवल के साथ मोनोशॉक है। इसमें आगे और पीछे क्रमशः 300 मिमी और 230 मिमी डिस्क है। बाइक 17 इंच के अलॉय व्हील पर चलती है।

कलर ऑप्शन

बजाज पल्सर N160 तीन रंगों - ब्रुकलिन ब्लैक, रेसिंग रेड और कैरेबियन ब्लू में उपलब्ध है। आपको बता दें कि डुअल-चैनल एबीएस वेरिएंट पहले केवल ब्रुकलिन ब्लैक पेंट स्कीम में पेश किया गया था।

इस मोटरसाइकिल का मुकाबला Suzuki Gixxer 155,yÔmÔhÔ FZ-S Fi V3.0, TVS Apache RTR 160 4V और Hero Xtreme 160R 4V से है।

देशवासी भुला नहीं पाएंगे ...यह हार

वनडे विश्व कप की हार से भारतीय खेल प्रेमियों का दिल टूट गया। अब यह मान कर संतोष करना पड़ेगा कि 19 नवम्बर 2023 का दिन भारत का नहीं था। पूरे विश्व कप में अपने शानदार खेल से टीम इंडिया वाहवाही लूट रही थी। लगातार 10 मैच जीत कर हम फाइनल में पहुंचे थे। मगर, अहम मुकाबले में ही किस्मत दगा दे गई। विश्व चैंपियन बनने का इतना सुनहरा मौका अब न जाने कब मिलेगा। अपने घर में और अपने दर्शकों के सामने खेल कर यदि हम नहीं जीत पाए तो कब जीतेंगे? आखिरी पावदान पर आकर अगर फिसल जाते हैं तो इसके लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। उस दिन टीम प्रबंधन की कोई रणनीति काम नहीं आई। चेन्नई में अपने पहले लीग मैच में इसी ऑस्ट्रेलिया को भारत ने हराया था। इस हार की टीस कई सालों तक हमें कचोटेगी। इसे भुला पाना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम पिछले आठ साल में नौंवी बार आईसीसी के खिताब की दहलीज पर आकर चूक गई। ऑस्ट्रेलिया ने छठवीं बार विश्व कप अपने नाम कर लिया। खेल जगत में रिकॉर्ड बनते हैं और टूटते हैं। विश्व कप-2023 को कई ऐसे रिकॉर्ड के लिए याद रखा जाएगा जिसे तोड़ना नामुमकिन तो नहीं मगर दुष्कर अवश्य कहा जाएगा। वनडे क्रिकेट में विराट कोहली के 50 शतक और अफगानिस्तान के खिलाफ कंगारू टीम के मैक्सवेल की 201 रनों की नाबाद पारी को कोई कैसे भूल सकता है। यह प्रदर्शन किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह खेल अब मैदान में ही नहीं बल्कि दिमाग से भी खेला जाता है। विपक्षी टीम के हर दांव की काट के लिए रणनीति बनाई जाती है। मानसिक रूप से मजबूती एक अहम तथ्य है जिस पर सभी टीमें गंभीरता से काम करती हैं। पर, निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम की रणनीति कामयाब नहीं रही। कंगारू हमसे चतुर निकले। टास जीतकर पहले भारत से बल्लेबाजी करवाने का उनका दांव सफल रहा। मैच-दर-मैच जीत हासिल करते हुए हमारी टीम फाइनल में पहुंची। वनडे विश्व कप के इतिहास में टीम इंडिया चौथी बार फाइनल में पहुंची थी। हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। बस फाइनल मैच में हमारी टीम रंग में नहीं दिखी। आलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए लेकिन तनिक भी उनकी कमी महसूस नहीं हुई। वजह, उनकी जगह जब मोहम्मद शमी को मौका मिला तो उन्होंने विपक्षी खेमे में तूफान मचा दिया। पूरा देश शमी पर फिदा हो गया। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह आखिरी विश्व कप था। अगले विश्व कप तक इन दोनों की उम्र 40 के पास पहुंच रही होगी। इस आधार पर कह सकते हैं कि ये दोनों शायद अगला विश्व कप नहीं खेल पाएं। 2023 का विश्व कप यादगार नहीं बन सका। मगर, विराट कोहली का जबर्दस्त फॉर्म देख कर भारतीयों को बहुत खुशी हुई। इस विश्व कप में सर्वाधिक 765 रन उन्हीं के बल्ले से निकले। इसमें तीन शतक और छह अर्धशतक हैं। इसके अलावा विराट कोहली वनडे मैचों में 50 शतक बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन गए। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विराट आज जिस मुकाम पर हैं वहां तक दूसरों के लिए पहुंचना कठिन है। अभी वह तीन साल तक आराम से खेल सकते हैं। हो सकता है, सचिन तेंदुलकर के कुल 100 शतकों का रिकॉर्ड भी वह तोड़ दें। मोहम्मद शमी को मौका तब मिला जब हार्दिक पांड्या घायल होकर विश्व कप से बाहर हो गए। शमी ने अपनी धारदार गेंदबाजी का शानदार नमूना पेश किया है। 7 मैचों में 24 विकेट लेकर शमी शीर्ष भारतीय गेंदबाज हैं। एक मैच में 5 विकेट लेने का कारनामा उन्होंने 3 बार किया। उनके मुकाबले जसप्रीत बुमराह और सिराज का प्रदर्शन बुझा-बुझा सा रहा। बुमराह ने 11 मैचों में 20 तो सिराज ने इतने ही मैचों में 14 विकेट हासिल किए। कप्तान रोहित विश्व कप के 48 साल के इतिहास में छक्कों का अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने। वह 27 मैच में 55 छक्के लगा चुके हैं। रोहित इस साल अब तक 67 छक्के लगा चुके हैं। यह एक कैलेंडर वर्ष में छक्कों का रिकॉर्ड है। इसके अलावा वह विश्व कप में लगातार 10 मैच जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान भी बन गए हैं। श्रेयस अय्यर अपने दो शतक को याद रखेंगे लेकिन फाइनल में सस्ते में आउट होकर उन्होंने टीम को मझधार में डाल दिया। यही हाल शुभमन गिल का रहा। उनके बल्ले से चार पचासे निकले, मगर फाइनल के मुजरिम वह भी हैं। दक्षिण अफ्रीका ने इस विश्व कप में शानदार शुरूआत की थी। उसके बल्लेबाजों ने कोहराम मचाया हुआ था। दिल्ली में एक मैच में उनके तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोंक दिया। यह टीम सेमीफाइनल में भी पहुंच गई। मगर, कोलकाता के इडेन गार्डन में जब ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ तो अफ्रीकी बैटरों ने घुटने टेक दिए। इस टीम पर चोकर्स का ठप्पा लंबे अर्से से लगा हुआ है। यानी नाकआउट मुकाबलों में यह टीम पस्त हो जाती है। वही बात फिर साबित हो गई। सभी लोग अनुमान लगा रहे थे कि फाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। पर, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने उसे तीन विकेट से हरा कर टूनामेंट से बाहर कर दिया।

फिलिस्तीन की चप्पलें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जोड़ियों में रहने वाले चप्पल जब तक जोड़ियों में रहे तब तक दुनिया में शांति बनी रहती है। इनके अलग-थलग पड़ने से मायने बदल जाते हैं। दृश्य बदल जाते हैं। प्रायः जोड़ियों में रहने वाले चप्पल आजकल अलग-अलग साइज के एकल चप्पलों के साथ इधर-उधर बिखरे हुए हैं। जिधर देखो उधर अपने बिरादर से बिछुड़े हुए एकल चप्पल ही नजर आते हैं। अलग-अलग रंग के। अलग-अलग ढंग के। हैं तो चप्पल ही। इनमें कुछ नए चप्पल भी हैं। ढूँढ़ने की लाख कोशिश की, लेकिन जोड़ीदार चप्पल का कहीं अता-पता नहीं है। वैसे जोड़ीदार चप्पल गए तो गए, गए कहाँ? क्या इन्हें जमीन खा गयी या फिर आसमान निगल गया। एक बार के लिए मान भी लेते हैं कि यह स्थल कोई मंदिर, मस्जिद, चर्च या फिर स्कूल है। किंतु ऐसा भी नहीं है। यहाँ तो लोगों का जमघट लगा रहता है। एकल चप्पल पहनकर घूमने का सवाल ही नहीं उठता। सोचा इन चप्पलों को पहनने वाले पैर कहीं गए होंगे। लौट आयेंगे। समय बूढ़े पत्तों की तरह पल-पल झढ़ता ही जा रहा है, लेकिन उन पैरों का कहीं नामों-निशान नहीं हैं। गए तो गए, गए कहाँ? इंसान हर चीज से प्यार करता है। यहाँ तक कि चप्पलों से भी। चप्पल छोड़कर जाना भी हो तो बड़ी सुरक्षित जगह पर छोड़ जाता है। लगता है वह इन चप्पलों को भूल गया है। काश एकल चप्पल भी हमारी-तुम्हारी तरह साँस ले पाते। वे अपने आप अपनी जोड़ीदार चप्पल को ढूँढ़ लेते। एक बार के लिए मान भी लें कि चप्पलों की पॉलिश चली गयी है। या फिर टूटी चप्पल मरम्मत के लिए मोची की दुकान पर पड़ी सुस्ता रही है। लेकिन तस्वीर इसके एकदम उलट हैं। इन एकल चप्पलों पर कुत्ते अपने दाँत गड़ा रहे हैं। ये चप्पल अपने मालिक को ढूँढ़ रही हैं। हजारों रुपए खर्च कर इन्हें खरीदने वाले बड़े बदनसीब हैं। वे एक बार के लिए इन्हें पहन भी नहीं पाए। न जाने इन्हें छोड़कर इंसानी पुतले कहाँ चले गए। कुछ चप्पल काटत भी थे। कुछ चप्पल साइज में छोटे भी थे। फिर भी जबरन पहनने वाले इनके मालिक आखिर गए तो गए, गए कहाँ? वैसे भी यहाँ इंसान के गिरते चरित्र की तुलना चप्पल से की जाती है।

हिंसा और आंतकवाद मानसिक विकृति और दिवालियापन

लेखक : संजीव ठाकुर

भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है।

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है ' इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं' यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं' भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए' आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है' भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती है'

अब हम सिर नहीं झुकाएँगे

लेखक :डॉ टी महादेव राव

इसी तरह हमने जीएसटी के लिए भी सिर उठाकर मारामारी की मगज पच्ची की। जब देश में कोरोना आया तीन बार वह अपना करतब दिखाते हुए सारे शासकों और प्रशासकों की निष्क्रियता का पोल खोलता हुआ मंद पड़ गया। हम अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन पाने, वैक्सीन लगवाने लाइन पर लग गए। आसमा की तरफ सिर उठाकर ऊपर वाले से मन ही मन पूछते यह किस जन्म का बदला ले रहे हो भगवान? कुछ करिए या उठा लीजिए! हम इस वक्त भी हमेशा सिर उठाए रहे ईश्वर को कोसने या उससे मदद मांगने। सिर झुकाने का अवसर बड़े भैया ने कभी नहीं दिया।

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। बशीर बद्र जी का यह शेर मुझे भाता आ रहा है। लेकिन इस बीच पत्थर, देवता पर तो काफी कुछ किया,लिखा और समझाया जा चुका है। मेरा ध्यान सिर झुकाने पर आ गया है। सिर झुकाना वर्तमान समय का ऐसा मुहावरा बन गया है कि चाहे वह अखबारों में हो या तथाकथित निष्पक्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो काफी दिनों से शोर मचा रहा है। बड़े भैया ने कह दिया मैंने देशवासियों का सिर झुकने न दिया। अनायास ही वे अपने शासनकाल के सत्यों को उजागर कर गए। ह्यसच्चाई छुप नहीं सकतीह्न बात है। आपको अचरज होगा ऐसा कौन सा गूढ़ रहस्य है कि इस सिपर जो हल्ला मचाया जा रहा है। तो आइए हम खुलासा करते चलें। आपको शंका करने और हमें समाधान करने के अवसर ही कितने हैं आज के व्यस्त, त्रस्त और सुस्त जिंदगी में। नोटबंदी या डिमॉनेटाइजेशन के पीछे न झुकने देने वाली बात थी। हम अपने पुराने नोटों को बैंकों के आगे कतारों में खड़े होकर नए नोटों में बदलवाने की कसरत कर रहे थे। तब उछल उछल कर देखते थे कि कहीं कोई और बीच लाइन में तो नहीं घुस गया। कभी आसमां पर आग उगलते सूरज की तरफ, तो कभी सामने वाले के कांधे से झांक कर देखते थे कि लाइन चल रही है या नहीं। कैसे सिर झुकाते? भार ढ़ोते-ढ़ोते कांधे जरूर झुक गए लेकिन सिर झुका नहीं। इसी तरह हमने जीएसटी के लिए भी सिर उठाकर मारामारी की मगज पच्ची की। जब देश में कोरोना आया तीन बार वह अपना करतब दिखाते हुए सारे शासकों और प्रशासकों की निष्क्रियता का पोल खोलता हुआ मंद पड़ गया। हम अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन पाने, वैक्सीन लगवाने लाइन पर लग गए। आसमा की तरफ सिर उठाकर ऊपर वाले से मन ही मन पूछते यह किस जन्म का बदला ले रहे हो भगवान? कुछ करिए या उठा लीजिए! हम इस वक्त भी हमेशा सिर उठाए रहे ईश्वर को कोसने या उससे मदद मांगने। सिर झुकाने का अवसर बड़े भैया ने कभी नहीं दिया। जब मुद्रास्फीति या महंगाई आसमान छू रही है, तब हम जमीन पर देखते भी कैसे? तेल, नून, लकड़ी की तर्ज पर तेल, अनाज, सब्जियां, पेट्रोल, डीजल, ईंधन गैस, बिजली का बिल, यातायात के भाड़े ... जब जाकर आसमान में बैठ गए, तो हम हमेशा खुद को आसमान में उड़ते देखते रहे,-- उन चीजों के दामों पर लगाम कसे जाने के लिए। इतना होने के बाद भी जब सुबह उठते हैं तो सूरज को देखते हैं, जो आजकल शासक वर्ग की ज्यादतियों की तरह आग उगल रहा है। बिजली गुल, पंखे बंद, हाथ पंखों से हवा करते हुए ऊपर देखने के अलावा किया किया जा सकता है? कहीं जाने आने में पांव की जंजीर बनी महंगाई का विकटाट्टहास आसमां में छिपे राक्षसों के स्वर सा सुनाई पड़ता है तो लगता है हम जमीन पर क्यों पैदा हुए? पांव के नीचे की जमीन खिसकती सी लगती है। जब सारा कुछ पहुंच से बाहर है तो सिर झुकाने की फुर्सत किसको है? कौन जुर्रत कर रहा है? अब नया शगल आ गया है। ड्रोन द्वारा गुणवत्ता की जांच। इसके पहले कई वैज्ञानिक खोजों के पितामह बड़े भैया का यह लेटेस्ट तुरुप का इक्का है। ड्रोन देखने के लिए भी तो आपको ऊपर ही देखना होगा। हमेशा कोशिश करते हैं वे कि लोग सिर झुका कर नीचे न देखें। वरना खराब सड़कें, खामियों का खुला आगोश और समस्याओं के पुलिंदे नजर आएंगे। आसमान में महंगाई ने दिन में तारे दिखा दिए। निष्क्रिय प्रशासन और निद्रामग्न शासन को तो बस लोगों को भी अकर्मण्य और निष्क्रिय बनाना ही उद्देश्य रह गया है। बेरोजगारों की संख्या आसमान पर, अपराधों की संख्या शिखर पर, कमियों खामियों का हिमालय और हम हैं कि ड्रोन में अपना सुनहरा भविष्य देखते हैं। ड्रोन से आप ताक झांक जरूर कर सकते हैं। गुणवत्ता उस ऊंचाई पर सक्रिय ड्रोन सेह्नह्न मेरा दिमाग तो बस नाले में से गैस और पकौड़ों की दुकान से बेरोजगारी हटाने जैसे शब्दों से अटा पड़ा है। पांडवों से प्यार था उस द्रोणाचार्य को/ हर जगह दिखने से प्यार है इस ड्रोन आचार्य को। अब मंदिर भी जाता हूं तो सिर नहीं झुका पाता हूं, कहीं कोई पीछे से आकर सिर को ऊपर न उठाने लगे। सिर झुकाओगे तो बड़ा भैया नाराज हो जाएगा/ पता नहीं खुशहाली और शांति कौन लेकर आएगा।

तेलंगाना वधिानसभा के चुनाव में कांग्रेस व भाजपा के चक्रव्यूह में फंफे केसीआर

लेखक : अशोक भाटिया

अपने भाषण में इसका ऐलान कर रहे थे - और चुनाव आयोग ने सरकार को दी गयी अनुमति वापस रद्द कर दी। दरअसल रायथु बंधु योजना किसानों को वित्तीय मदद देने से जुड़ी हुई है। रायथु का मतलब तेलुगु में किसान होता है। तो देखा जाए तो केसीआर सरकार की सीधे सीधे किसानों को मदद देने के लिए एक योजना है। इसमें सरकार प्रति एकड़ साल में दो बार 5000 की किस्त र-बी और खरीफ की फसलों के लिए हर किसान को देती है।

लंगाना वधिानसभा के लिए चुनाव के प्रचार आखिरी घंटे दौर में है। 30 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए सत्ताधारी बीआरएस , कांग्रेस और भाजपा ने एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक तेज कर दिया है। कोशिश तो शुरू से ही मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की रही है, लेकिन दोनों ही राजनीतिक विरोधियों के निशाने पर होने के बावजूद मुख्यमंत्री के। चंद्रशेखर राव का पूरा परिवार कांग्रेस और भाजपा से डट कर मुकाबला कर रहा है - नेताओं के भाषण सुन कर तो ऐसा ही लगता है। भाजपा और कांग्रेस के आलावा केसीआर की एक लड़ाई चुनाव आयोग से भी लड़ी जा रही है, एक दूसरे की शिकायतें करके। ऐसी ही शिकायत के कारण चुनाव आयोग से केसीआर को बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग ने केसीआर सरकार की रायतु बंधु योजना के तहत किसानों की दी जाने वाली नकद राशि पर रोक लगा दी है। चुनाव आयोग ने कुछ शर्तों के साथ रबी की फसल की किस्त के लिए बीआरएस सरकार को अनुमति दी थी। चुनाव आयोग की तरफ से साफ हिदायत थी कि योजना के महिमामंडन का काम चुनाव के दौरान नहीं होना चाहिये, लेकिन सुनता कौन है। रिपोर्ट बताती है कि राज्य के मंत्री अपने भाषण में इसका ऐलान कर रहे थे - और चुनाव आयोग ने सरकार को दी गयी अनुमति वापस रद्द कर दी। दरअसल रायथु बंधु योजना किसानों को वित्तीय मदद देने से जुड़ी हुई है। रायथु का मतलब तेलुगु में किसान होता है। तो देखा जाए तो केसीआर सरकार की सीधे सीधे किसानों को मदद देने के लिए एक योजना है। इसमें सरकार प्रति एकड़ साल में दो बार 5000 की किस्त रबी और खरीफ की फसलों के लिए हर किसान को देती है। तो अभी इस बार ये किस्त दी जानी थी। चुनाव की वजह से एक आरोप ये लग रहा है कि सरकार ने इस योजना के पैसों को देने में थोड़ा सा देर किया। उन्होंने कहा चुनाव के आसपास देंगे। लेकिन बीच में चुंकि डेढ़ दो महीने की एक आचार संहिता लग जाती है। तो पिछले दिनों उनके जो वित्त मंत्री थे टी हरीश राव, उन्होंने ऐलान किया कि 24 तारीख को हम किसानों को जो इस बार की जो किस्त है वो जारी करेंगे। इसके लिए उन्होंने बकायदा चुनाव आयोग से आज्ञा भी ली थी। चुनाव आयोग ने उनको परमिशन दे दी थी । लेकिन इसी बीच में जो विपक्षी दल थे कांग्रेस वगैरह, वो लोग आचार संहिता का हवाला देते हुए चुनाव आयोग चले गए। उन्होंने कहा कि ये तो सरासर आचार संहिता का उल्लंघन है क्योंकि वोटिंग चल रही है। आचार संहिता लगी हुई है और उसमें कोई भी पार्टी भले ही वो सरकार में हो, वो ऐसे जनहित के कार्यों में पैसे कैसे बांट सकती है। ये तो सीधे-सीधे मतदाता को प्रभावित करने वाला काम हुआ। तो उनकी अपील पर चुनाव आयोग को यह कदम उठाना पड़ा और जो पैसा जारी होना था उस पर रोक लगा दी। गौरतलब है कि मई 2018 से केसीआर सरकार जो है वो साल में दो बार किसानों को पैसा बांट रही है। अब तक इससे 58 लाख किसानों को साल में दो बार पैसा मिलता है और इस बार बीआरएस का जो मैनिफेस्टो है, उसमें उसने ऐलान किया है कि अभी ये जो हर साल 10,000 की राशि दी जाती है। उसको बढ़ाके हम 16,000 कर देंगे। अब लगता है कि कांग्रेस इसे बीआरएस के लिए एक झटका मान रही हैं तो उनके लिए झटका नहीं माना जा सकता है क्योंकि उनको भी इस चीज की आशंका थी। वो पहले से तैयार थे क्योंकि वो लगातार लोगों के बीच में ये प्रचारित कर रहे थे कि देखिये अगर कांग्रेस की सरकार आती है तो वो ये रायथु बंधु योजना को बंद कर देगी। केसीआर ने तो यहां तक कहा कि अगर कांग्रेस सरकार में आती है तो वो उसको बंगाल की खाड़ी में फेंक देगी। तो अब जो बीआरएस है

4 करोड़ या इससे ज्यादा कीमत के लग्जरी घरों की बिक्री में जबरदस्त उछाल

- भारत के सात प्रमुख शहरों में 4 करोड़ रुपये और उससे अधिक मूल्य के लक्जरी घरों की बिक्री में साल-दर-साल 97 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एनटीवी, नई दिल्ली

सीबीआरई ने कहा कि अक्तूबर से दिसंबर के त्योहारी सीजन में लक्जरी आवास बिक्री में और वृद्धि देखने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि उसे अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में पहली बार लग्जरी घर खरीदने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। रियल एस्टेट फर्म सीबीआरई की एक रिपोर्ट में आज कहा गया है कि जनवरी और सितंबर 2023 के बीच भारत के सात प्रमुख शहरों में 4 करोड़ रुपये और उससे अधिक मूल्य के लक्जरी घरों की बिक्री में साल-दर-साल 97 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस अवधि में कुल लक्जरी आवास बिक्री में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद की रही। इसमें दिल्ली-एनसीआर का हिस्सा 37 फीसदी, मुंबई का 35 फीसदी और हैदराबाद का 18 फीसदी रहा। वहीं शेष 4 प्रतिशत हिस्सा पुणे का रहा है। इसलिए बिक्री में हो रही वृद्धि कई कारकों ने लक्जरी आवास की बिक्री में वृद्धि को प्रेरित किया, जिसमें एक मजबूत अर्थव्यवस्था, बढ़ती डिस्पोजेबल आय, उन्नत जीवन स्तर की आकांक्षा और प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों में लक्जरी आवासों की कमी शामिल है। सीबीआरई ने कहा कि अक्तूबर से दिसंबर के त्योहारी सीजन में लक्जरी आवास बिक्री में और वृद्धि देखने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि उसे अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में पहली बार लग्जरी घर खरीदने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इस वृद्धि का प्राथमिक कारण बढ़ती आकांक्षाएं और बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था है। डेवलपर्स द्वारा प्रोत्साहन और स्मार्ट होम तकनीक जैसे स्मार्ट स्विच और फोन पर एक क्लिक से प्रकाश और अन्य चीजों को नियंत्रित करना लक्जरी घर में इस उछाल के कुछ कारण हैं।

इसके अलावा महामारी के बाद बड़े स्थानों की आवश्यकता भी है। आवासीय बिक्री और नए लॉन्च में देखी जाएगी वृद्धि सीबीआरई की रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक विकास, अनुकूल नियामक उपायों और बदलती जीवनशैली प्राथमिकताओं के कारण प्रीमियम और लक्जरी हाउसिंग सेगमेंट में आवासीय बिक्री और नए लॉन्च में वृद्धि देखी जाएगी, जो संभावित रूप से 2023 में 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच जाएगी।

जैसा कि खरीदार महामारी के बाद अधिक विस्तृत जीवन चाहते हैं, स्मार्ट होम तकनीक और डेवलपर-समर्थित प्रोत्साहनों की आमद लक्जरी घर की बिक्री में तेजी ला रही है, यह जोड़ा गया है। सीबीआरई ने कहा कि यह उछाल उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) और अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के बीच लक्जरी घरों की बढ़ती अपील से प्रेरित है, जो सुरक्षित और पुरस्कृत निवेश के अवसरों की तलाश में हैं। ये रुझान बताते हैं कि लक्जरी घर भारतीय रियल एस्टेट बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक ने बदले एफडी के ब्याज दर, चेक करें अब आपको कितना मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। अपनी इनकम को बढ़ाने के लिए हम कई स्कीम में निवेश करते हैं। वर्तमान में बाजार में कई तरह की स्कीम मौजूद है। कई लोग बैंक एफडी में निवेश करना काफी पसंद करते हैं। दरअसल एफडी काफी सुरक्षित निवेश ऑप्शन में से एक है। एफडी पर मिलने वाली ब्याज दरों को समय-समय पर बदला जाता है। एचडीएफसी बैंक ने एफडी की ब्याज दरों को रिवाइज किया है। देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक (एचडीएफसी बैंक) ने हाल ही में एफडी की ब्याज दरों में बदलाव किया है। एचडीएफसी बैंक के अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार यह सभी दरें 27 नवंबर 2023 से लागू हो गई हैं। बैंक ने यह भी बताया कि जो नॉन-विड्रॉ एफडी में उसमें प्री-मैच्योर विड्रॉ की सुविधा नहीं दी जाती है। इन एफडी में निवेशकों को कम से कम 1 साल तक निवेश करना अनिवार्य है। इसी के साथ निवेशक नॉन-रेसिडेंट कैटेगरी में भी निवेश कर सकते हैं। बैंक द्वारा फिर से एफडी के ब्याज दरों में बदलाव किया गया। इस बदलाव के बाद अब एफडी की लेटेस्ट दर 1 से 2 साल वाले एफडी पर अधिकतम 7.45 फीसदी है और 2 से 10 साल वाले एफडी पर 7.2 प्रतिशत है।

इस हफ्ते पांचों आईपीओ की लिस्टिंग, निवेशकों को मिलेगा जमकर फायदा; ग्रे मार्केट में 80% उछला भाव

- इन सभी में निवेशकों को बेहतर फायदा मिलने की उम्मीद है। सबसे अधिक 80 फीसदी का रिटर्न टाटा टेक के शेयरों में मिल सकता है।

एनटीवी, नई दिल्ली

सबसे अधिक 80 फीसदी का रिटर्न टाटा टेक के शेयरों में मिल सकता है। सबसे कम फायदा फेडफिना में मिलने की उम्मीद है। पांचों कंपनियां 7,377 करोड़ रुपये जुटाने उतरी थीं। पांच कंपनियों के पिछले हफ्ते बंद हुए प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के शेयर इस हफ्ते सूचीबद्ध होंगे। इन सभी में निवेशकों को बेहतर फायदा मिलने की उम्मीद है। सबसे अधिक 80 फीसदी का रिटर्न टाटा टेक के शेयरों में मिल सकता है। सबसे कम फायदा फेडफिना में मिलने की उम्मीद है। पांचों कंपनियां 7,377 करोड़ रुपये जुटाने उतरी थीं। इसके एवज में इनको 2.59 लाख करोड़ रुपये के आवेदन मिले थे। 30 को सूचीबद्ध होगा टाटा टेक टाटा टेक ने बाजार से 3,042 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसके शेयर 30 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे। इसमें खुदरा निवेशकों का हिस्सा 16.50 गुना भरा था। फेडफिना ने 1,092 करोड़ जुटाए और गांधार ऑयल ने 500 करोड़ रुपये जुटाए। फेडफिना में खुदरा निवेशकों का हिस्सा 1.88 गुना और गांधार में करीब 30 गुना भरा था। इन दोनों के शेयर भी 30 नवंबर को ही सूचीबद्ध होंगे। फ्लेयर-इरेडा पर भी भरोसा फ्लेयर राइटिंग ने 593 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें खुदरा निवेशकों का हिस्सा करीब 14 गुना भरा। इसके शेयर एक दिसंबर को सूचीबद्ध होंगे। सरकारी कंपनी इरेडा ने 2,150 करोड़ रुपये जुटाए। इसका शेयर 29 नवंबर को सूचीबद्ध होगा। खुदरा निवेशकों का हिस्सा सात गुना से ज्यादा भरा था। 40 आईपीओ, 38 में हुई कमाई इस साल अब तक कुल 45 आईपीओ आए हैं। इनमें से 40 के शेयर सूचीबद्ध हुए हैं। 38 में निवेशकों ने जमकर कमाई की है। चालू वित्त वर्ष में एसएमई को मिलाकर अब तक 175 से ज्यादा कंपनियां बाजार में उतर चुकी हैं। इनमें भी ज्यादातर में निवेशकों को मुनाफा हुआ।

संक्षिप्त खबरें

शेयर बाजार में सपाट शुरूआत, सेंसेक्स 54 अंक मजबूत, निफ्टी 19800 के पार

शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 50 अंक मजबूत होकर 66,020 पर कारोबार करता दिखा वहीं दूसरी ओर निफ्टी 30 अंक की मजबूती के साथ 19,820 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। बाजार में सबसे ज्यादा खरीदारी मेटल और ऑटो सेक्टर के शेयरों में दिखी।

तीन दिन बंद रहने के बाद मंगलवार को बाजार में सपाट लेकिन हरे निशान पर कारोबार की शुरूआत हुई। शुरूआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 50 अंक मजबूत होकर 66,020 पर कारोबार करता दिखा वहीं दूसरी ओर निफ्टी 30 अंक की मजबूती के साथ 19,820 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। बाजार में सबसे ज्यादा खरीदारी मेटल और ऑटो सेक्टर के शेयरों में दिखी।

निफ्टी में अदाणी एंटरप्राइसेज के शेयरों में करीब 4% का उछाल आया। इससे पहले बीते शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 47 अंक गिरकर 65,970 के लेवल पर बंद हुआ था। सोमवार को गुरुनानक जयंती के मौके पर छुट्टी रहने के कारण बाजार में कारोबार नहीं हुआ था।

शुरूआती कारोबार में रुपया 2 पैसे की गिरावट के साथ 83.38 रुपये के भाव पर कारोबार करता दिखा।

एयरपोर्ट पर चेक-इन के लिए बैग से नहीं निकालने होंगे गैजट, सीटीएक्स मशीन करेगी पूरा काम, जानें इसके बारे में

इसकी शुरूआत टर्मिनल-2 से जल्द ही होगी। इसका फायदा यह होगा कि सिक्योरिटी चेक में लगने वाले समय कम होगा और यात्रियों को परेशानी नहीं होगी। यह पूरा काम कम्प्यूटर टोमोग्राफी एक्स-रे (सीटीएक्स) मशीन की मदद से होगा। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर यह सीटीएक्स कैसे काम करती है ? यदि आप ब्लॉगर हैं या कंटेंट क्रिएटर्स हैं तो आपको एयरपोर्ट की चेक-इन का दर्द मालूम होगा।

एयरपोर्ट पर सबसे बड़ी मुसीबत अपने लैपटॉप, मोबाइल जैसे गैजेट को निकालकर अलग से एक ट्रे में रखना और फिर से उसे पैक करना है।

त्योहारी सीजन में इस साल मोटर वाहन खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एनटीवी, नई दिल्ली

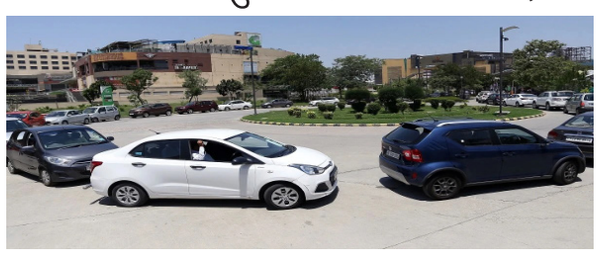

इस दौरान वाणिज्यिक वाहन की बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 1,23,784 इकाई रही। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों का पंजीकरण 41 प्रतिशत बढ़कर 1,42,875 इकाई हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,01,052 इकाई था। नयी दिल्ली। भारत में मजबूत मांग के दम पर इस साल त्योहारी सीजन में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। ट्रैक्टर के अलावा सभी खंडों में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई है। वाहन डीलर के निकाय फाडा ने मंगलवार को यह बात कही। इस साल 42 दिन के त्योहारी सीजन में मोटर वाहन की कुल बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 37,93,584 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल यह 31,95,213 इकाई थी। नवरात्रि के पहले दिन से शुरू होकर और धनतेरस के 15 दिन बाद समाप्त हुए त्योहारी सीजन में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 5,47,246 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4,96,047 इकाई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, ह्यह्य नवरात्रि के दौरान खराब प्रदर्शन के बावजूद दिवाली तक स्थिति में सुधार हुआ और 10 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि त्योहारी में स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों की मांग सबसे अधिक रही। इसी तरह दोपहिया वाहनों का पंजीकरण सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर इस साल 28,93,107 इकाई हो गया, जो 2022 में 23,96,665 इकाई था। उन्होंने कहा, ह्यह्य कई श्रेणियों में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों ने खासकर दोपहिया वाहनों की खरीद में वृद्धि में योगदान दिया। इस दौरान वाणिज्यिक वाहन की बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 1,23,784 इकाई रही। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों का पंजीकरण 41 प्रतिशत बढ़कर 1,42,875 इकाई हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,01,052 इकाई था। हालांकि, ट्रैक्टर की बिक्री पिछले साल की त्योहारी अवधि में 86,951 इकाइयों से मामूली गिरावट के साथ 86,572 इकाई हो गई। सिंघानिया ने कहा, नवरात्रि में ट्रैक्टर की बिक्री में 8.3 प्रतिशत की कमी देखी गई, लेकिन इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ तथा बाद में वह 0.5 प्रतिशत की गिरावट तक सीमित रही। इस वर्ष त्योहारी सीजन 15 अक्टूबर को शुरू और 25 नवंबर को समाप्त हुआ।

बढ़ेगी जीडीपी, जुलाई-सितंबर में 6.80 फीसदी रहेगी विकास दर; सरकार 30 नवंबर को जारी करेगी आंकड़े

एनटीवी, नई दिल्ली

औद्योगिक प्रदर्शन अप्रैल-जून में 5.5% से सुधरकर दूसरी तिमाही में 7% के करीब रह सकता है। कमजोर बारिश से कृषि को नुकसान पहुंचा, पर खनन और अन्य क्षेत्रों में गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिली। खपत में तेजी और पूंजी निवेश के बल पर दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। एक साल पहले समान तिमाही में यह 6.2 फीसदी रही थी। हालांकि, इस साल अप्रैल-जून में यह चार तिमाहियों में सबसे अधिक 7.8 फीसदी रही थी। उसकी तुलना में गिरावट की आशंका है। सरकार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े 30 नवंबर को जारी करेगी। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, 2023-24 की दूसरी तिमाही में विकास की गति लचीली थी। सरकारी पूंजीगत खर्च की तेज रफ्तार और खपत से भी अर्थव्यवस्था में तेजी बनी है। विकास की गति से इस महीने की शुरूआत में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने अपने पूवार्नुमान को 1.40% बढ़ाकर 7.2% और 2023-24 के लिए 0.40% बढ़ाकर 6.5% कर दिया था। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, अप्रैल-जून को 7.8 प्रतिशत की विकास दर से 6.8 प्रतिशत तक की गिरावट संभवतः कृषि और सेवा क्षेत्रों के कारण हो सकती है। हालांकि, सेवा क्षेत्र की वृद्धि पिछली तिमाही के 10.3 प्रतिशत से घटकर लगभग 8.2 प्रतिशत रही है। फिर भी वह विकास का सबसे बड़ा चालक बना हुआ है।

औद्योगिक प्रदर्शन में तेजी

औद्योगिक प्रदर्शन अप्रैल-जून में 5.5% से सुधरकर दूसरी तिमाही में 7% के करीब रह सकता है। कमजोर बारिश से कृषि को नुकसान पहुंचा, पर खनन और अन्य क्षेत्रों में गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिली।

एसएंडपी: 6.40% रहेगी वृद्धि दर

एसएंडपी ग्लोबल टिमा ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.4% कर दिया है।

पहले ये 6% था। हालॉक, अगले वित्त वर्ष के लिए अनुमान को 6.9% से घटाकर 6.4% कर दिया है। भारत मार्च 2024 तक ब्याज दरों में 0.1% की कटौती कर सकता है।

'कंपनी और कारोबार के लिए प्रतिबद्ध', निदेशक मंडल और कर्मचारियों को गौतम सिंघानिया का ईमेल

एनटीवी, नई दिल्ली

चेयरमैन ने रेमंड के निदेशक मंडल के सदस्यों और कर्मचारियों को एक आंतरिक मेल भेजा, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने ईमेल के जरिए बताया कि उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में आ रही मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी नहीं करने का फैसला लिया है। रेमंड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गौतम सिंघानिया ने पारिवारिक मसलों के बीच अपने कर्मचारियों और निदेशक मंडल को ईमेल किया। इसमें उन्होंने कंपनी का कामकाज सामान्य ढंग से चलने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी हालात में कंपनी का काम प्रभावित नहीं होगा, बल्कि सुचारू रूप से पूरी तरह चलता रहेगा। चेयरमैन ने मंड के निदेशक मंडल के सदस्यों और कर्मचारियों को एक आंतरिक मेल भेजा, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने ईमेल के जरिए बताया कि उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में आ रही मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी नहीं करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा, 'अपने परिवार की गरिमा बनाए रखना मेरे लिए सबसे ऊपर है।' मुश्किल दौर में भी चलेगा कामकाज इसके साथ ही उन्होंने रेमंड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक के तौर पर कंपनी के सुचारू संचालन और इसके कारोबार के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा, 'इस मुश्किल दौर में भी मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि रेमंड के भीतर सामान्य ढंग से ही कामकाज चल रहा है।' सिंघानिया ने कारोबार के मोर्चे पर रेमंड के शानदार प्रदर्शन का जिक्र किया और कहा कि कंपनी के इतिहास में सबसे अच्छी पिछली तिमाही रही है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने सभी शेयरधारकों के लिए मूल्य निर्माण और वितरण के साथ अपने कर्मचारियों, ग्राहकों और अन्य हितधारकों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए संकल्पबद्ध हूं।' इस बारे में संपर्क किए जाने पर रेमंड के एक प्रवक्ता ने कहा कि सिंघानिया ने यह ईमेल कंपनी के निदेशक मंडल के सदस्यों और कर्मचारियों को आंतरिक स्तर पर भेजा है। बता दें कि दंपती की दो संतानें हैं। सिंघानिया ने महीने की शुरूआत में पत्नी नवाज से अलग होने की घोषणा की थी।

बढ़त के साथ खुली भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे चढ़ा रुपया

एनटीवी, नई दिल्ली

छोटे कारोबारी हफ्ते में आज डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ खुला है। सोमवार को गुरु नानक जयंती के मौके पर शेयर बाजार बंद था। आज शेयर मार्केट हरे निशान पर खुला है। दूसरी तरफ क्रूड ऑयल की कीमतों में हल्की बढ़त देखने को मिली है। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं। बढ़त के साथ खुली भारतीय करेंसी डॉलर में आई गिरावट ने भारतीय करेंसी को बढ़त हासिल करने में मदद की है। आज शेयर बाजार के स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और निफ्टी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। मंगलवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.38 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा, शेयर मार्केट में सकारात्मक धारणा और कच्चे तेल की कम कीमत ने भी भारतीय मुद्रा को समर्थन दिया। आज इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.37 पर खुला और फिर 83.38 पर पहुंच गया। यह पिछले बंद के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त दशार्ता है। पिछले कारोबारी हफ्ते में शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 83.40 पर बंद हुआ। गुरु नानक जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद रहा। इस बीच, डॉलर इंडेक्स जो दुनिया के 6 करेंसी की मजबूती को दशार्ता है। इसके अनुसार डॉलर 0.06 प्रतिशत कम होकर 103.14 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.28 प्रतिशत बढ़कर 80.20 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हरे निशान पर शेयर मार्केट मंगलवार को शुकुआती कारोबार सत्र में बीएसई सेंसेक्स 58.68 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 66,028.72 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 36.80 अंक या 0.19 प्रतिशत बढ़कर 19,831.50 पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक शुक्रवार को 2,625.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.077 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 595.397 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

अदाणी समूह की कंपनियों का मार्केट कैप 11 लाख करोड़ रुपये के करीब, ग्रुप के शेयरों में 15% तक की मजबूती

एनटीवी, नई दिल्ली

शीर्ष अदालत ने अदाणी समूह से जुड़ी सुनवाई के दौरान कहा था कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट को सच का आधार नहीं माना जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की थी कि अदालत सिर्फ मीडिया में आई खबरों के आधार पर इस मामले में बाजार नियामक सेबी की जांच पर संदेह नहीं कर सकती लेकिन बाजार नियामक सेबी को सभी 24 मामलों में जांच पूरी करनी चाहिए। शेयर बाजार में मंगलवार के कारोबारी सेशन के दौरान अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड जैसे अदाणी समूह के शेयरों में तेजी दिखी। इस मजबूती के कारण गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी समूह का बाजार पूंजीकरण 11 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। बता दें कि अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। इसके बाद बाजार में समूह के मार्केट कैप में 66,945.94 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इस दौरान समूह के शेयरों में 15 प्रतिशत तक की तेजी आई। शीर्ष अदालत ने अदाणी समूह से जुड़ी सुनवाई के दौरान कहा था कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट को सच का आधार नहीं माना जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की थी कि अदालत सिर्फ मीडिया में आई खबरों के आधार पर इस मामले में बाजार नियामक सेबी की जांच पर संदेह नहीं कर सकती लेकिन बाजार नियामक सेबी को सभी 24 मामलों में जांच पूरी करनी चाहिए। इससे पहले 25 अगस्त को अपनी रिपोर्ट में सेबी ने कहा था कि उसने 24 में से 22 मामलों में अपनी जांच पूरी कर ली है। उसके बाद सेबी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में अपनी जांच पूरी करने के लिए और समय की मांग नहीं करेगा। मंगलवार की सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 6.42 फीसदी की तेजी के साथ 2,373.65 रुपये पर कारोबार करता दिखा। वहीं, अदाणी पोर्ट्स एंड सेज के शेयर 3.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 824.80 रुपये पर पहुंच गया। अदाणी का शेयर 7.84 प्रतिशत मजबूत होकर 428 रुपये पर पहुंच गया जबकि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 11.83 प्रतिशत चढ़कर 815.50 रुपये पर पहुंच गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 7.36 प्रतिशत की तेजी और इसके भाव 1006.40 रुपये पर पहुंच गए। अदाणी विल्मार के शेयर 5.4 प्रतिशत जबकि एसीसी और अंबूजा सीमेंट के शेयरों में 3.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। एनडीपी के शेयर 5.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 216.50 रुपये के भाव पर पहुंच गए।

टाटा मोटर्स जनवरी से बढ़ा सकती है अपने वाहनों के दाम

टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने सोमवार को कहा, हम अगले साल जनवरी से अपने यात्री और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। किन वाहनों के दाम कितने बढ़ेंगे, इसकी घोषणा अगले कुछ सप्ताह में की जाएगी। घरेलू वाहन विनिमार्ता टाटा मोटर्स अपने यात्री और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में अगले साल जनवरी से बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि वाहनों के दाम में कितनी वृद्धि की जाएगी। टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने सोमवार को कहा, हम अगले साल जनवरी से अपने यात्री और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। किन वाहनों के दाम कितने बढ़ेंगे, इसकी घोषणा अगले कुछ सप्ताह में की जाएगी। टाटा मोटर्स के वाहनों में हैचबैक कार टियागो से लेकर एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) सफारी तक शामिल हैं। इनकी कीमत 5.6 लाख रुपये से लेकर 25.94 लाख के बीच है। इसके साथ ही कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और ऑडी जैसी कंपनियों में शामिल हो गयी है, जिसने अपने वाहनों के दाम बढ़ाने की योजना बनायी है।

फॉक्सकॉन ने भारत में 1.5 अरब डॉलर निवेश करने का किया एलान, कंपनी ने 'मेक इन इंडिया'

- कंपनी भारत में संयंत्रों को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है क्योंकि कई तकनीकी दिग्गज अपने विनिर्माण एक हिस्सा भारत में स्थानांतरित करना चाहते हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

कंपनी ने कहा है कि नई जगह पर नए सिरे से शुरूआत करना एक चुनौती है, लेकिन फॉक्सकॉन भारत में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। फॉक्सकॉन भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं का मजबूती से समर्थन करना जारी रखेगी आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल के प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन ने दक्षिण एशियाई बाजार में राजस्व बढ़ाने के बाद भारत में 1.54 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। फॉक्सकॉन ने ताइवान में शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि इस निवेश से उसे परिचालन जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस निवेश का एलान ताइवान की कंपनी की ओर से अगले साल तक भारत में अपने कार्यबल और निवेश को दोगुना करने की योजना सार्वजनिक करने दो महीने बाद हुआ है। एपल सहित कई तकनीकी दिग्गज कंपनियों के साथ काम करता है फॉक्सकॉन फॉक्सकॉन एपल सहित कई नामी-गिरामी तकनीकी दिग्गज कंपनियों के साथ विनिर्माण का काम करती है। कंपनी भारत में संयंत्रों को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है क्योंकि कई तकनीकी दिग्गज अपने विनिर्माण एक हिस्सा भारत में स्थानांतरित करना चाहते हैं। जानकार इसे चाइना प्लस वन नीति का हिस्सा मानते हैं। कंपनी चीन के बाद अब भारत में विनिर्माण गतिविधियों पर कर रहा फोकस फॉक्सकॉन, जो वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी ईएमएस (इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विसेज) प्रदाता कंपनी है। कंपनी ने चीन में 2001 से 2017 के दौरान चीन में बड़े पैमाने पर निवेश किया हालांकि अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ने के बाद 2018 से इसमें नरमी आई है। भारत में तीन विनिर्माण परिसरों का संचालन करने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने इस साल की शुरूआत में वेदांता के साथ 19.5 अरब डॉलर के चिपमेकिंग के संयुक्त उद्यम से अपने हाथ खींच लिए थे। हालांकि कंपनी ने यह कहा था कि वह भारत में अपना काम जारी रखेगा और वह भारत की महत्वकाक्षाओं के प्रति आश्वस्त है।

कंपनी ने कहा- जारी रहेगा मेक इन इंडिया को सपोर्ट कंपनी ने कहा है, नई जगह पर नए सिरे से शुरूआत करना एक चुनौती है, लेकिन फॉक्सकॉन भारत में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम 1980 के दशक से इस तरह की चुनौतियों पर काम कर रहे हैं। फॉक्सकॉन भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं का मजबूती से समर्थन करना जारी रखेगी और हितधारकों की जरूरतों को पूरा करेगी। बीते अगस्त में फॉक्सकॉन ने आईफोन के लिए चिप-उपकरण और केसिंग के घटकों के निर्माण के लिए कर्नाटक में दो परियोजनाओं में 60 करोड़ डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी।

प्रभाकरन से माफी मांगने वाले डीएमके सासंद के बयान पर बिफरी कांग्रेस

- पहले पूरा विवाद जानिए मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सांसद थमिझाची थंगापांडियन का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

एनटीवी, चेन्नई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सांसद थमिझाची थंगापांडियन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो थंगापांडियन के एक साक्षात्कार का है। 12 सेकंड की उस क्लिप में थंगापांडियन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) प्रमुख वी प्रभाकरन की प्रशंसा कर रही हैं। तमिलनाडु में एलटीटीई प्रमुख वी प्रभाकरन फिलहाल सुर्खियों में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राज्य कांग्रेस ने डीएमके सांसद द्वारा प्रभाकरन की प्रशंसा करने पर अस्वीकृति व्यक्त की है। बता दें, तमिलनाडु में डीएमके और कांग्रेस के बीच गठबंधन है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के पीछे एलटीटीई का ही हाथ माना जाता है। पहले पूरा विवाद जानिए मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सांसद थमिझाची थंगापांडियन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो थंगापांडियन के एक साक्षात्कार का है। 12 सेकंड की उस क्लिप में थंगापांडियन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) प्रमुख वी प्रभाकरन की प्रशंसा कर रही हैं। वायरल वीडियो में उनसे पूछा गया कि वे किस ऐतिहासिक शख्सियत के साथ भोजन करना चाहती हैं, तो थंगापांडियन ने कहा कि वह मेथागु थेसिया थलाइवर प्रभाकरन के साथ भोजन करना चाहती हैं। वायरल वीडियो में उन्होंने आगे कहा कि वे मुल्लीवाइकल त्रासदी के लिए प्रभाकरन से माफी मांगेंगी और प्रभाकरन से माफ करने के लिए कहेंगी। बता दें, 2009 में श्रीलंकाई सेना ने जब लिट्टे का सफाया कर दिया था तब श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के एक गांव मुल्लीवाइकल में हजारों तमिल नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस ने थंगापांडियन के बयान पर जताई अहसमति कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट किया।

एक्स पर उन्होंने कहा कि प्रभाकरन की प्रशंसा करना कांग्रेस में किसी को भी अच्छा नहीं लगता। 17 तमिलों के साथ-साथ पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की नृशंस हत्या पर पर्दा डालना अस्वीकार्य है।

कार्ति के अलावा, तमिलनाडु कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मोहन कुमारमंगलम ने मुल्लीवाइकल घटना पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि लिट्टे ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया है और वे नागरिकों के जीवन का बलिदान देने को तैयार हैं। रिपोर्ट साझा करने के अलावा उन्होंने पूछा कि क्या आप इसके लिए माफी मांगना चाहती हैं। भारत का एक सांसद ऐसा कह रहा है, यह सुनकर मैं सचमुच हैरान हूं।

'मणिपुर को विभाजित करने की कोशिश कर रहीं कुछ ताकतें', बोले मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

नई दिल्ली। एक कार्यक्रम में सोमवार को सिंह ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को राजनीतिक ही रहने दें, लेकिन जब मुद्दा राष्ट्रीय या राज्य की एकता का हो तो सभी मतभेदों को खारिज कर देना चाहिए। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि कुछ ताकतें राज्य को विभाजित करने की कोशिशें कर रही हैं। समाज के सभी वर्गों को मौजूदा स्थिति का समाधान खोजने के लिए एकजुट रहना चाहिए। एक कार्यक्रम में सोमवार को सिंह ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों को राजनीतिक ही रहने दें, लेकिन जब मुद्दा राष्ट्रीय या राज्य की एकता का हो तो सभी मतभेदों को खारिज कर देना चाहिए। यह समय आपस में लड़ने-झगड़ने का नहीं है। साथ ही कहा कि उनकी सरकार सभी रचनात्मक आलोचना, सलाह और सुझावों का स्वागत करती है। तांगखुल नगाओं ने अपने इलाकों में रैलियों या आंदोलन पर लगाई रोक मणिपुर में सबसे बड़े नगा समुदाय तांगखुल नागाओं के कई प्रमुख संगठनों ने कहा कि वे मौजूदा संघर्षों को लेकर अपने इलाकों में किसी भी रैली या आंदोलन की अनुमति नहीं देंगे।

स्वादिष्ट खाना नहीं दिया तो हैवान बना बेटा, दरांती से हमला कर मां की हत्या की

- महिला और उसके बेटे के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। दोनों के बीच झगड़ा इसी क्रम में, रविवार को शख्स ने अपनी मां से शिकायत की कि वह उसे स्वादिष्ठ खाना नहीं खिलाती है।

एनटीवी, ठाणे

पड़ोस के कुछ लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी ने नींद की बहुत सारी गोलियां ले ली थीं। महाराष्ट्र में मानवता की सारी हदें पार करने वाली खबर सामने आई हैं। ठाणे में एक शख्स ने अपनी 55 वर्षीय मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। हत्या करने की वजह जानकर आप के पैरों से जमीन खिसक जाएगी। दरअसल, बताया जा रहा है कि स्वादिष्ट खाना नहीं देने पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। वेलु गांव की घटना एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रविवार शाम मुरबाद तालुका के वेलु गांव की है। महिला और उसके बेटे के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। दोनों के बीच झगड़ा इसी क्रम में, रविवार को शख्स ने अपनी मां से शिकायत की कि वह उसे स्वादिष्ठ खाना नहीं खिलाती है। फिर दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। व्यक्ति को गुस्सा आ गया और उसने अपनी मां की गर्दन पर दरांती से कथित तौर पर हमला कर दिया। हमले से महिला की मौत हो गई। आरोपी फिलहाल गिरफ्तार नहीं पड़ोस के कुछ लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी ने नींद की बहुत सारी गोलियां ले ली थीं। रिश्तेदारों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था और उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। हालांकि, उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

- दोनों के बीच झगड़ा इसी क्रम में, रविवार को शख्स ने अपनी मां से शिकायत की कि वह उसे स्वादिष्ठ खाना नहीं खिलाती है।

संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति धनखड़ द्वारा पीएम मोदी को 'युगपुरुष' बताने पर भड़के संजय राउत, कह गए आपत्तिजनक बात

संजय राउत ने कहा कि हम ये बात तय नहीं करते कि कौन पुरुष है, महापुरुष है या युगपुरुष है, बल्कि इतिहास, सदियां और लोग ये तय करते हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने एक हालिया बयान में पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें युगपुरुष बताया था। अब उपराष्ट्रपति के इस बयान पर राजनीति शुरू हो गई है। दरअसल शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत पीएम मोदी को युगपुरुष बताने पर भड़क गए और वह पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दे गए।

क्या बोले संजय राउत

संजय राउत ने उपराष्ट्रपति के बयान पर कहा कि '2024 के बाद भी अपनी बात पर कायम रहिएगा। हम ये बात तय नहीं करते कि कौन पुरुष है, महापुरुष है या युगपुरुष है, बल्कि इतिहास, सदियां और लोग ये तय करते हैं। महात्मा गांधी का पूरी दुनिया में सम्मान है।' इसके बाद संजय राउत ने आपत्तिजनक बयान देते हुए कहा कि 'अगर ऐसा होता तो हमारे जवान जम्मू कश्मीर में ना मर रहे होते और ना ही चीन, लद्दाख में दाखिल होता।'

बता दें कि संजय राउत अक्सर अपने बयानों में सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ काफी मुखर रहते हैं। हाल ही में आदित्य ठाकरे के मथुरा दौरे को लेकर संजय राउत ने कहा था कि 'मथुरा, अयोध्या और द्वारका किसी की संपत्ति नहीं हैं। हम हिंदुत्व पार्टी हैं और हमारी पार्टी के कई कार्यकर्ता पहले भी मथुरा जा चुके हैं।'

उपराष्ट्रपति ने पीएम मोदी की तारीफ में कही थी ये बात

बता दें कि मुंबई में श्रीमद राजचंद्र की वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि 'बीते सदी के महापुरुष महात्मा गांधी थे, जबकि इस सदी के युगपुरुष पीएम मोदी हैं। महात्मा गांधी ने हमें सत्य और अहिंसा से अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराया। पीएम मोदी हमें प्रगति के उस रास्ते पर लेकर जा रहे हैं, जहां हम हमेशा से जाना चाहते थे।' बता दें कि कई विपक्षी नेताओं ने भी उपराष्ट्रपति के बयान की आलोचना की। कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर ने उपराष्ट्रपति के बयान को शर्मनाक बताया और कहा कि चापलूसी की भी एक सीमा होती है।

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर बोले, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार स्थिर

एनटीवी, मुंबई

महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ दल शिवसेना ने सोमवार को आरोप लगाया कि जालना जिले में मराठा आरक्षण आंदोलन के केंद्र अंतरवली सारती गांव में सितंबर में हुई हिंसा के पीछे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शरद पवार की अगुवाई वाले धड़े और शिवसेना (यूबीटी) के नेता थे। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सोमवार को कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार स्थिर है। राज्य विधानमंडल के निचले सदन में उसे बहुमत हासिल है। नार्वेकर ने कहा कि वह शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्धारत समय सीमा के भीतर निर्णय लेंगे। संजय राउत पर निशाना यहां से लगभग 500 किमी दूर सिंधुदुर्ग जिले में मीडियाकर्मियों से बातचीत में उन्होंने शिवसेना-भाजपा-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) सरकार की स्थिरता पर सवाल उठाने वाले बयान देने के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत पर निशाना साधा। सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के अस्थिर होने के राउत के दावे के बारे में पत्रकारों के पूछे जाने पर नार्वेकर ने कहा, राज्य सरकार के पास जादुई आंकड़ा (145 से अधिक विधायकों का समर्थन) मौजूद है। लोगों को ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा में सदस्यों की संख्या 288 है और सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी या गठबंधन को कम से कम 145 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होती है। जालना हिंसा के पीछे पवार गुट और उद्धव गुट के नेता महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ दल शिवसेना ने सोमवार को आरोप लगाया कि जालना जिले में मराठा आरक्षण आंदोलन के केंद्र अंतरवली सारती गांव में सितंबर में हुई हिंसा के पीछे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शरद पवार की अगुवाई वाले धड़े और शिवसेना (यूबीटी) के नेता थे। हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे को अस्पताल में भर्ती कराने के खिलाफ विरोध के बीच पुलिस ने एक सितंबर को जालना जिले में अंबाद तहसील के धुले-सोलापुर मार्ग पर हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले दागे थे।

शिवसेना में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले गुट के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने संवाददाताओं से बातचीत में दोनों दलों के नेताओं पर दंगे में शामिल होने का आरोप लगाया।

देवनागरी साइनबोर्ड नहीं लगाने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आज से कार्रवाई शुरू, बीएमसी ने बनाई एक टीम

- मराठी साइनबोर्ड लगाना अनिवार्य दरअसल, बीएमसी ने एक आदेश जारी कर कहा था कि मुंबई में अब दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए मराठी साइनबोर्ड लगाना अनिवार्य होगा।

एनटीवी, मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने हाल ही में कहा था कि देवनागरी लिपि में नाम के साथ साइनबोर्ड नहीं लगाने वाले दुकानों, होटलों एवं अन्य व्यवासायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ वह मंगलवार से कार्रवाई शुरू करेगी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की तानाशाही जारी है। बीएमसी आज से उन दुकानों, होटलों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाएगा, जिनमें देवनागरी लिपि में मराठी साइनबोर्ड नहीं लगा होगा। बीएमसी ने बताया कि निदेर्शों का पालन नहीं करने वाले ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक टीम बनाई गई है। मराठी साइनबोर्ड लगाना अनिवार्य दरअसल, बीएमसी ने एक आदेश जारी कर कहा था कि मुंबई में अब दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए मराठी साइनबोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही सर्कुलर के अनुसार शराब की दुकानों और बार का नाम किलों, गणमान्य व्यक्तियों और मूर्तियों के नाम पर नहीं रखना है। आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई करने की बात भी कही गई थी। नगर निकाय ने कहा था कि इन नियमों के उल्लंघन के मामले में संबंधित दुकान और प्रतिष्ठान मालिकों के खिलाफ महाराष्ट्र दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। पिछले साल सरकार ने किया था संशोधन गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 17 मार्च, 2022 को मराठी नेमप्लेट के लिए महाराष्ट्र दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन किया था। बुधवार को, बीएमसी ने उसी के संबंध में एक परिपत्र प्रकाशित किया था। बीएमसी के अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी थी। हाल ही में फिर हुई बैठक बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने हाल ही में कहा था कि देवनागरी लिपि में नाम के साथ साइनबोर्ड नहीं लगाने वाले दुकानों, होटलों एवं अन्य व्यवासायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ वह मंगलवार से कार्रवाई शुरू करेगी।

बीएमसी ने एक बयान में कहा था कि उसके प्रशासक आई. एस. चहल ने एक बैठक की और अधिकारियों को उच्चतम न्यायालय के इस निर्देश का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा था कि (अन्य लिपि के अलावा) देवनागरी में भी दुकानों, संस्थानों और होटलों के नाम होने चाहिए।

'बिना खाना-पानी के चढ़वाईं तिरुपति मंदिर की सीढ़ियां', गौतम सिंघानिया की पत्नी का आरोप

एनटीवी, नई दिल्ली

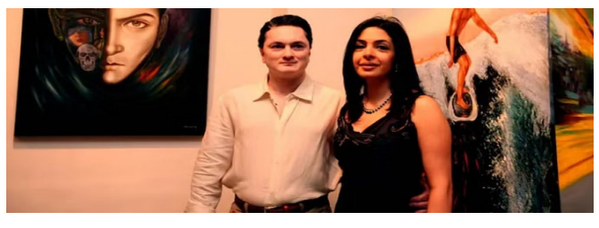

एक ऑडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें नवाज मोदी दावा कर रही हैं कि सिंघानिया ने कसम खाई थी कि अगर वह उनसे शादी करने के लिए तैयार हो जाती हैं तो वह उनके साथ आंध्र प्रदेश के पहाड़ी शहर तिरुमाला में तिरुपति मंदिर जाएंगे। रेमंड कंपनी अपने मालिक गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी के अलग होने की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। दीपावली के बाद गौतम सिंघानिया ने खुलेआम एलान कर दिया था कि वह नवाज से अलग होने जा रहे हैं। इसके बाद, मोदी ने कई आरोप लगाए और संपत्ति का 75 फीसदी हिस्सा भी मांग लिया। सिंघानिया पर अब एक और नया आरोप लगाया है कि उन्होंने उन्हें बिना खाना-पानी के पैदल तिरुपति मंदिर की सीढ़ियां चढ़वाईं। ऑडियो क्लिप में दावा एक ऑडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें नवाज मोदी दावा कर रही हैं कि सिंघानिया ने कसम खाई थी कि अगर वह उनसे शादी करने के लिए तैयार हो जाती हैं तो वह उनके साथ आंध्र प्रदेश के पहाड़ी शहर तिरुमाला में तिरुपति मंदिर जाएंगे। बाद में, उन्होंने उन्हें बिना भोजन और पानी के कठिन चढ़ाई करने के लिए मजबूर किया। जबकि उन्हें शुगर जैसी बीमारी के बारे में पता था। मुझे चलने को मजबूर मोदी को कहते सुना जा सकता है, 'उन्होंने मुझे पैदल चलने को मजबूर किया। मुझे नहीं पता कितना लंबा रास्ता था, लेकिन बिना खाना और पानी तिरुपति तक पैदल चलवाया। मैं करीब दो से तीन बार बेहोश हुई, लेकिन उन्हें कोई परवाह नहीं थी।' वेंकटेश्वर के कट्टर भक्त गौतम सिंघानिया को भगवान वेंकटेश्वर के कट्टर भक्त के रूप में जाना जाता है। उन्होंने मुंबई में एक नए मंदिर को बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये का दान दिया था और मंदिर बोर्ड तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े होने के लिए जाना जाता है। क्योंकि वह धन नवाज ने तंज कसते हुए कहा, 'वह (भगवान वेंकटेश्वर के) इतने बड़े भक्त हैं और किसी अन्य देवता के नहीं क्योंकि वह धन के देवता हैं।

कृषि मंत्रालय के दो अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई

- एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों की पहचान पीक्यूएस, फरीदाबाद में संयुक्त निदेशक (प्लांट पैथोलॉजी) संजय आर्य और विशाखापत्तनम में तत्कालीन पादप संरक्षण अधिकारी (पीपीओ) पदम सिंह के रूप में की गई है।

एनटीवी, नई दिल्ली

एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों की पहचान पीक्यूएस, फरीदाबाद में संयुक्त निदेशक (प्लांट पैथोलॉजी) संजय आर्य और विशाखापत्तनम में तत्कालीन पादप संरक्षण अधिकारी (पीपीओ) पदम सिंह के रूप में की गई है। सीबीआई ने रिश्वत लेकर एक मामले की जांच को बंद करने के आरोप में पादप संरक्षण और भंडारण निदेशालय (पीपीक्यूएस) के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीपीक्यूएस भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत पौध संरक्षण प्रभाग की एक एजेंसी है। एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों की पहचान पीक्यूएस, फरीदाबाद में संयुक्त निदेशक (प्लांट पैथोलॉजी) संजय आर्य और विशाखापत्तनम में तत्कालीन पादप संरक्षण अधिकारी (पीपीओ) पदम सिंह के रूप में की गई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि संजय आर्य ने पदम सिंह के खिलाफ राजेश आचार्य की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत पर जांच की थी। शिकायत में राजेश आचार्य ने आरोप लगाया था कि पदम सिंह निर्यातकों से पैसे की मांग कर रहे थे। इस दौरान, संजय आर्य ने मई 2022 में विशाखापत्तनम का दौरा किया और शिकायतकर्ता से पूछताछ की। इसमें कहा गया है, जांच पूरी होने के बाद, संजय आर्य ने सबूतों के अभाव में शिकायत को बंद करने की सिफारिश की।

कबाब विक्रेता ने पहले वीडियो बनाया फिर पत्नी

एनटीवी, तुमकुरु

तुमकुरु जिले के सदाशिवनगर में एक सूदखोर कलंदर से कबाब विक्रेता गरीब साब ने 1.5 लाख रुपये का कर्ज लिया, जिसे वह समय पर नहीं चुका पाया। इसके बाद कलंदर ने साब और उसके परिवार को तंग करना शुरू कर दिया। सरकारों की तरफ से आर्थिक मदद की तमाम योजनाएं चलाए जाने के बाद भी देश से सूदखोरी का कलंक मिट नहीं रहा है। आए दिन सूदखोरों से आतंकित होकर लोग आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। रविवार को ऐसा ही एक मामला कर्नाटक में सामने आया। तुमकुरु जिले के सदाशिवनगर में एक सूदखोर कलंदर से कबाब विक्रेता गरीब साब ने 1.5 लाख रुपये का कर्ज लिया, जिसे वह समय पर नहीं चुका पाया। इसके बाद कलंदर ने साब और उसके परिवार को तंग करना शुरू कर दिया। आखिर में कलंदर का आतंक इतना ज्यादा बढ़ गया, साब ने अपने पूरे परिवार के साथ सामूहिक आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठा लिया। साब ने मरने से ठीक पहले एक वीडियो भी बनाया, जिसमें राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर से आरोपी को सजा दिलाने की मांग की है। असल में परमेश्वर तुमकुरु से ही विधायक हैं। कलंदर के डर से पूरे परिवार ने जान दी इसके साथ ही लिखा कि कलंदर ने कई बार उसके पूरे परिवार के साथ मारपीट की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। साब ने वीडियो में कहा कि अगर वह अकेले मर गया, तो कलंदर उसके परिवार को जीने नहीं देगा, ऐसे में पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर रहा है। चुकाता गया लेकिन कम नहीं हुआ कर्ज शहर के तिलक पार्क थाने में दर्ज शिकायत के मुताबिक सदाशिवनगर में कबाब बेचने वाले गरीब साब (36), उसकी पत्नी सुमैया (32), बेटी हजीरा (14), बेटे मोहम्मद शभान (10) और मोहम्मद मुनीर (8) के शव उनके घर लटके हुए मिले। घर में एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें साब ने बताया कि वह अपने पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर रहा है, क्योंकि जिस इमारत में वह रहता है, उसी इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाला कलंदर राक्षस है, जिससे उसने 1.5 लाख रुपये का कर्ज लिया था, जिसे काफी समय से चुकाने के बाद भी कर्ज कम ही नहीं हो रहा था। पुलिस हिरासत में पांच आरोपी लिस ने बताया कि वीडियो और सुसाइड नोट के आधार पर कलंदर सहित पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। कलंदर से पुछताछ में पता चला है कि उसने साब को कुछ समय पहले करीब 24 फीसदी के चक्रवृद्धि ब्याज पर 1.5 लाख रुपये दिए थे। साब मरने से पहले जो 5.22 मिनट का वीडियो बनाया और सुसाइड नोट छोड़ा, जिसकी जांच हो रही है।

शादी के बाद पत्नी भी नहीं मांग सकती 'आधार' की जानकारी, जानें किस मामले में हाईकोर्ट ने कही ये बात

- अदालत का कहना है कि पत्नी सिर्फ शादी का हवाला देकर अपने जीवनसाथी के आधार कार्ड की जानकारी एकतरफा हासिल नहीं कर सकती हैं।

एनटीवी, बंगलूरू

हुबली की एक महिला ने एक पारिवारिक अदालत का दरवाजा खटखटाकर पति से गुजारा भत्ता मांगा था। दोनों की शादी नवंबर 2005 में हुई थी और उनकी एक बेटी भी है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने साफ कह दिया है कि शादी निजता के अधिकार पर असर नहीं डाल सकती है। दरअसल, कई दिनों से इस बात पर बहस चल रही थी कि क्या पति या पत्नी को अपने साथी के आधार कार्ड की जानकारी हासिल करने का अधिकार है? इस सवाल का जवाब हाईकोर्ट में एक याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान मिल गया। अदालत का कहना है कि पत्नी सिर्फ शादी का हवाला देकर अपने जीवनसाथी के आधार कार्ड की जानकारी एकतरफा हासिल नहीं कर सकती हैं। क्या था मामला दरअसल, हुबली की एक महिला ने एक पारिवारिक अदालत का दरवाजा खटखटाकर पति से गुजारा भत्ता मांगा था। दोनों की शादी नवंबर 2005 में हुई थी और उनकी एक बेटी भी है। रिश्ते में परेशानियां आने के बाद पत्नी ने कानूनी कार्रवाई की शुरूआत की थीं।

यहां कोर्ट ने 10 हजार रुपये का गुजारा भत्ता और बेटी के लिए 5 हजार रुपये अलग से दिए जाने की बात कही गई थी। आदेश लागू करवाने को पहुंची हाईकोर्ट इसलिए महिला अलग हो चुके पति का आधार नंबर, एनरोलमेंट की जानकारी और फोन नंबर हासिल करना चाहती थी। उनका कहना था कि उन्हें नहीं पता फिलहाल उनका पति कहां रह रहा है, इसलिए वह अदालत के आदेश की कॉपी उनतक नहीं पहुंचा पा रही हैं। आदेश को लागू कराने के लिए वह यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के पास भी गईं थीं। यूआईडीएआई ने किया था आवेदन खारिज 25 फरवरी 2021 को यूआईडीएआई ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया था और कहा था कि इसके लिए हाईकोर्ट के आदेश की जरूरत होगी।

इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। दूसरे व्यक्ति को भी अपनी बात... डिवीजन बेंच ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश का जिक्र किया था और कहा कि किसी भी जानकारी के खुलासे से पहले दूसरे व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का अधिकार है।

बाद में मामला एकल बेंच के पास भेज दिया था। सिंगल बेंच ने आठ फरवरी 2023 को यूआईडीएआई को पति को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही आरटीआई एक्ट के तहत महिला के आवेदन पर दोबारा विचार करने के लिए कहा। शादी दो लोगों का रिश्ता न्यायमूर्ति एस. सुनील दत्त यादव और न्यायमूर्ति विजयकुमार ए. पाटिल की खंडपीठ ने कहा, 'शादी दो लोगों का रिश्ता है, जो निजता के अधिकार पर असर नहीं डालता है। यह व्यक्ति का निजी अधिकार है।'

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042